E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 163 | प्रयागराज, मंगलवार 13 अक्टूबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

सऊदी पर 10 साल में सबसे बड़ा हमला,हूती विद्रोहियों ने रियाद एयरपोर्ट पर मिसाइल दागी,भारतीय समेत 13 लोगों की मौत

नयी दिल्ली/रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार रात सऊदी अरब में रियाद एयरपोर्ट पर हमला किया। इसमें एक भारतीय समेत 13 लोग मारे गए और 300 से ज्यादा घायल हुए। इसके बाद सऊदी सरकार ने रियाद एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट्स का संचालन रोक दिया। हालांकि अगले ही दिन रविवार को हूती विद्रोहियों ने घरेलू उड़ानों के लिए इस्तेमाल होने वाले टर्मिनल पर हमला कर दिया। इसमें एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई। 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुआ हमला पिछले एक दशक में सऊदी अरब पर सबसे बड़ा हमला था। इससे पहले मई 2015 में एक सऊदी के कातिफ में एक शिया मस्जिद पर हमला हुआ था जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। इसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी।इंटरनेशनल उड़ानें बंद, अब घरेलू ऊड़ान पर भी संकटः-हूती विद्रोहियों के हमले के बाद रियाद एयरपोर्ट की इंटरनेशनल उड़ानें शनिवार से ही बंद हैं। विद्रोहियों ने एयरपोर्ट और सऊदी के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी है। रविवार को एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 और टर्मिनल-4 पर हमला हुआ। यहां से घरेलू उड़ानें संचालित होती हैं। एयरपोर्ट पर मौजूद एक यात्री

के मुताबिक, रविवार रात करीब 8:30 बजे एक गोला रनवे पर गिरा। यह कई खड़े विमानों के पास गिरा, जिससे वहां आग लग गई। उस समय यात्री विमान रनवे पर पार्किंग की जगह की ओर बढ़ रहा था। हूतियों का कहना है कि वे यमन के गृहयुद्ध में सऊदी अरब की भूमिका के विरोध में हमले कर रहे हैं। हूतियों का कहना है कि सऊदी अरब के एयरपोर्ट को फिर निशाना बनाया जा सकता है। एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस ने उड़ानें रोकीं:-सऊदी अरब पर बढ़ते हमले के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने रियाद और दूसरे सऊदी एयरपोर्ट के लिए उड़ानें रोक दी हैं। इनमें एयर इंडिया, फ्लाईदुबई, लुफ्थांसा ग्रुप और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस शामिल हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को रियाद एयरपोर्ट पर हुए मिसाइल हमले की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि आम नागरिकों और उनके इस्तेमाल वाली जगहों को बार-बार निशाना बनाना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों को सतर्क रहने, जरूरत पड़ने पर घरों के अंदर रहने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह भी दी है। रियाद एयरपोर्ट पर हूती विद्रोहियों के हमले बढ़े:-7 अक्टूबर - रियाद एयरपोर्ट पर हमले में 1 सूडानी नागरिक की मौत और 8 लोग घायल हुए। इसी दौरान आभा एयरपोर्ट पर अलग हमले में 2 लोगों की मौत हुई और 28 घायल हुए। 8 अक्टूबर - एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग हमले हुए। पहला एयरपोर्ट सुविधाओं पर और दूसरा सऊदी एयरलाइंस के खड़े विमान (एयरबस ए320) पर।

पाक फिजिक्स गोल्ड मेडलिस्ट युवती ने खुदकुशी की,हार्वर्ड में एडमिशन के नाम पर 93 लाख की ठगी- जमीन बेचकर रुपए जुटाए थे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक 20 साल की युवती ने पढ़ाई के नाम पर हुई 93 लाख रुपए की ठगी के बाद खुदकुशी कर ली। फिजिक्स गोल्ड मेडलिस्ट रही युवती का नाम लैबा इजाज है। वह अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ना चाहती थीं। परिवार का आरोप है कि एडमिशन, स्कॉलरशिप और अमेरिकी वीजा दिलाने का वादा करने वाले एक व्यक्ति ने उनसे पैसे लिए और फर्जी दस्तावेज दे दिए। 9 अक्टूबर को इस्लामाबाद के जी-10 सेक्टर के एक बाजार में लैबा का शव मिला। मामले में पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। हार्वर्ड में पढ़ने के लिए परिवार ने जमीन बेची, गहने गिरवी रखेः- लैबा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा की रहने वाली थीं। उन्होंने इंटरनेशनल इस्लामिक यूनिवर्सिटी इस्लामाबाद से फिजिक्स में ग्रेजुएशन किया था और गोल्ड मेडल हासिल किया था। उनका सपना अमेरिका में आगे की पढ़ाई करके वैज्ञानिक बनने का था। उनके पिता 1994 से इस्लामाबाद की सड़कों पर दूध और दही बेचकर परिवार चलाते हैं। बेटी की पढ़ाई के लिए उन्होंने घर बनाने के मकसद से खरीदी जमीन बेच दी। उनकी

मां ने भी अपने गहने गिरवी रख दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लैबा को सऊदी अरब में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप मिली थी, लेकिन उन्होंने अमेरिका में पढ़ने के अपने सपने को प्राथमिकता दी। एडमिशन और वीजा दिलाने का वादा करके लिए 93 लाख रुपए:-परिवार ने मोहम्मद नौमान नाम के व्यक्ति से संपर्क किया था। उसने खुद को विदेशी शिक्षा से जुड़ा कंसल्टेंट बताया और हार्वर्ड में एडमिशन, स्कॉलरशिप और अमेरिकी वीजा दिलाने का भरोसा दिया। परिवार का आरोप है कि नौमान ने इसके बदले 93 लाख पाकिस्तानी रुपए लिए। उसने यूनिवर्सिटी में एडमिशन और फीस जमा होने से जुड़े दस्तावेज भी दिए, लेकिन बाद में उनकी पुष्टि नहीं हो सकी। पाकिस्तान की एफआईए के मुताबिक, इस रकम में से 29 लाख रुपए लैबा के बैंक खाते के जरिए ट्रांसफर किए गए थे, जबकि बाकी पैसे नकद दिए गए थे। अमेरिकी दूतावास में फर्जी दस्तावेज का खुलासा हुआ:-लैबा जब इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास में वीजा इंटरव्यू के लिए पहुंचीं, तो उनके दस्तावेजों की पुष्टि नहीं हो सकी। परिवार ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और अमेरिकी दूतावास से भी संपर्क किया, लेकिन दस्तावेजों को सही नहीं पाया गया। लैबा के बहनोई जैद बिन अफजल के मुताबिक, आरोपी कई बार वीजा इंटरव्यू की तारीख आगे बढ़ाता रहा। वह कथित तौर पर तय तारीख से एक रात पहले फोन करके इंटरव्यू रद्द होने की बात कह देता था। आरोप है कि बाद में उसने 12 अक्टूबर को इंटरव्यू होने की बात कही और उससे पहले 22 लाख पाकिस्तानी रुपए और मांगे। तब तक लैबा को कथित धोखाधड़ी का पता चल चुका था और वह काफी परेशान थीं। एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरे के खिलाफ भी मामला दर्ज:-पाकिस्तान की एफआईए ने 11 अक्टूबर को मुहम्मद नौमान की गिरफ्तारी की पुष्टि की।

2026 का इकोनॉमिक्स नोबेल 2 अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को मिला,रॉबर्ट हॉल और माइकल वुडफोर्ड ने मंदी और महंगाई से निपटने के तरीके बताये

वॉशिंगटन डीसी। 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी अर्थशास्त्रियों रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को

मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को को इसकी घोषणा की। दोनों को यह सम्मान अर्थव्यवस्था में मंदी और तेजी के उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आर्थिक नीतियों के नए आधार विकसित करने पर दिया जाएगा। उनकी रिसर्च से समझने में मदद मिली कि आम लोगों के खर्च और कंपनियों के फैसले पूरी अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करते हैं। दोनों को कुल 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनर यानी 11.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि बराबर मिलेगी। 1970 के दशक में आर्थिक संकट के दौरान नए मॉडल की जरूरत पड़ी:- अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने करीब 100 साल पहले सुझाव दिया था कि मंदी के समय सरकार को खर्च बढ़ाना चाहिए और केंद्रीय बैंक को ब्याज दरें घटानी चाहिए। इससे कारोबार और लोगों के खर्च को बढ़ावा मिल सकता है। वहीं, महंगाई बहुत बढ़ने पर ब्याज दरें बढ़ाकर और खर्च पर लगाम लगाकर मांग कम की जा सकती है। लेकिन 1970 के दशक में तेल संकट के दौरान पश्चिमी देशों में महंगाई और बेरोजगारी एक साथ बढ़ गईं। आर्थिक विकास भी धीमा पड़ गया। इससे साफ हुआ कि पुराने आर्थिक मॉडल हर स्थिति में सही नतीजे नहीं दे पा रहे थे।हॉल ने समझाया-लोग भविष्य देखकर खर्च तय करते हैं:-रॉबर्ट हॉल ने अपनी रिसर्च में बताया कि परिवार सिर्फ आज की कमाई देखकर खर्च नहीं करते। वे यह भी सोचते हैं कि भविष्य में उनकी आमदनी कैसी रहेगी। अगर किसी परिवार को लगता है कि आगे उसकी कमाई बढ़ेगी, तो वह आज ज्यादा खर्च कर सकता है। इसके उलट, नौकरी जाने या आमदनी घटने का डर होने पर वह खर्च कम कर सकता है। हॉल ने 1978 में प्रकाशित अपने शोध में यह विचार रखा कि लोगों के खर्च में बदलाव का पहले से सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि यह नई जानकारी मिलने पर बदल सकता है। इस काम ने अर्थशास्त्रियों को परिवारों के खर्च के फैसलों को समझने का नया तरीका दिया। वुडफोर्ड ने बताया- ब्याज दरें कैसे बदलती हैं:- आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

होर्मुज के पास जहाज पर फिर ड्रोन हमला, 3 दिन में भारतीय नाविकों वाले तीन जहाजों पर हमला, 2 भारतीय लापता-भारत ने हमले रोकने को कहा

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर रविवार को ड्रोन से हमला हुआ। जहाज पर सवार 11 भारतीय नाविकों में से 9 को बचा लिया गया, जबकि 2 अब भी लापता हैं। हमले के पीछे कौन है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पिछले 3 दिनों में इस क्षेत्र में भारतीय क्रू वाले 3 जहाजों पर हमले हुए हैं। इनमें से एक हमला रविवार को ही एमटी वाल्थेरा पर हुआ था जबकि दूसरा हमला 9 अक्टूबर को एमटी जेम नंबर 2 पर हुआ। भारत ने जहाजों पर होने वाले हमले तुरंत रोकने को कहा है। निकारागुआ के झंडे वाले टैंकर एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर ओमान के सोहर बंदरगाह के पास जहाज पर ड्रोन से हमला हुआ। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि भारतीय अधिकारी स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर लापता नाविकों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं। ओमान की राजधानी मस्कट में भारतीय दूतावास भी मामले पर नजर रख रहा है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। भारत सरकार जहाज से जुड़ी कंपनी के संपर्क में है:-रविवार को ही मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले टैंकर एमटी वाल्थेरा पर होर्मुज स्ट्रेट में एक ड्रोन

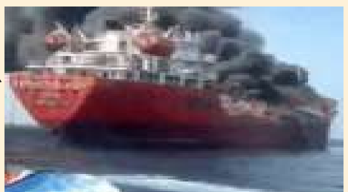

या मिसाइल से हमला हुआ। इससे जहाज में आग लग गई। इस टैंकर पर भी 11 भारतीय नाविक सवार थे। सोनोवाल ने बताया कि सरकार जहाज के प्रबंधन से जुड़ी कंपनी के संपर्क में है और नाविकों की सुरक्षा पर नजर रख रही है। भारत ने कहा- नाविकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है:-भारतीय विदेश मंत्रालय ने व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत तनाव कम करने और व्यापारिक जहाजों, नाविकों व नागरिक ठिकानों पर हमले रोकने को कहा है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। संघर्ष का हल बातचीत और कूटनीति से निकाला जाना चाहिए। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों से व्यापार को सुरक्षित और बिना रुकावट जारी रखने पर भी जोर दिया। दुनिया के जहाजों पर 3.20 लाख से ज्यादा भारतीय नाविकः-भारत दुनिया में व्यापारिक जहाजों के लिए नाविक उपलब्ध कराने वाले बड़े देशों में शामिल है। जहाजरानी मंत्रालय के मुताबिक, 2025 में भारत में 3.20 लाख से ज्यादा सक्रिय नाविक थे। अमेरिका और इजराइल की ओर से 28 फरवरी को ईरान पर हमले शुरू किए जाने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमलों में भारतीय नाविकों की मौत की घटनाएं भी सामने आई हैं। पिछले हफ्ते विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट के पास पनामा के झंडे वाले एक जहाज पर हुए हमले की निंदा की थी।

पाक के खैबर-पख्तूनख्वा में इमरान की पार्टी की सरकार बर्खास्त,इमरजेंसी लगी, पूर्व पीएम की रिहाई के लिए राज्य के सीएम मार्च निकाल रहे थे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने रविवार को खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में इमरजेंसी लगा दी और सरकार बर्खास्त कर दी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसकी घोषणा की। यहां इमरान खान की पार्टी पीटीआई की सरकार है। खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी पूर्व पीएम की रिहाई की मांग को लेकर समर्थकों के साथ इस्लामाबाद की ओर 4 अक्टूबर से मार्च निकाल रहे थे। अब उन्हें अपना पद छोड़ना होगा। शहबाज सरकार का आरोप है कि पीटीआई सरकार प्रांत में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जानबूझकर सहयोग नहीं कर रही है। पाक सरकार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगी। इमरजेंसी लगाने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई आपात कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में प्रांत की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा हुई। सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 232 और 234 के तहत इमरजेंसी और गवर्नर शासन लागू करने का फैसला किया। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस कदम का विरोध किया है। पार्टी अध्यक्ष गौहर अली खान ने इसे अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि प्रांत के अधिकार कमजोर करके शांति और स्थिरता नहीं लाई जा सकती। इमरान खान के करीबी सहयोगी और पीटीआई प्रवक्ता जुल्फिकार बुखारी ने इस फैसले को 'हास्यास्पद' बताया। उन्होंने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान की एकमात्र वैध रूप से चुनी गई सरकार है। बुखारी ने कहा कि इस फैसले से हिंसा, अस्थिरता और आम लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने का रास्ता खुला था लेकिन सरकार के इस कदम से लगता है कि वह बातचीत करना ही नहीं चाहती थी। इससे पहले इमरान खान के समर्थकों के प्रदर्शन कई बार हिंसक हो चुके हैं। 2024 में हुए प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षाकर्मियों और आम नागरिकों की भी मौत हुई थी। पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 232 के तहत युद्ध, दूसरे देश के हमले या देश के अंदर बिगड़े ऐसे हालात में इमरजेंसी लगाई जा सकती है, जिन्हें प्रांतीय सरकार संभाल न पा रही हो।

ट्रम्प बोले- रूस और यूक्रेन में एनर्जी सीजफायर हुआ,एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे-समझौता न तोड़ने की चेतावनी दी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया है कि रूस और यूक्रेन ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने रविवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर

कहा कि सीजफायर तत्काल प्रभाव से लागू होगा और दोनों देशों को इसका पालन करना चाहिए। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि सीजफायर कितने समय तक लागू रहेगा। रूस और यूक्रेन की ओर से इस समझौते की आधिकारिक पुष्टि और इसकी शर्तों की जानकारी भी सामने नहीं आई है। ट्रम्प रूस की तेल रिफानरियों पर यूक्रेन के हमलों को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने शनिवार को इन हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि इन हमलों से दुनिया में ईंधन की समस्या बढ़ सकती है। दरअसल, यूक्रेन रूस की तेल से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बना रहा है। इससे रूस की तेल से होने वाली कमाई और उसकी सेना तक ईंधन पहुंचाने की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। तब से दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है। जेलेंस्की बोले थे- रूस हमले रोके तो हम भी हमला बंद करेंगे:-यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि अगर रूस यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोक देता है, तो यूक्रेन भी रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले बंद करने को तैयार होगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि तनाव कम करने के लिए दोनों देशों को एक साथ कदम उठाने होंगे और इसके लिए पक्की सुरक्षा गारंटी भी जरूरी है। जेलेंस्की ने चुनाव कराने के लिए 2 महीने के सीजफायर की मांग रखी:-जेलेंस्की ने कहा है कि अगर ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन में चुनाव चाहते हैं, तो रूस को 60 दिन के लिए युद्ध रोकना होगा। जेलेंस्की ने कहा कि इस दौरान पूरी तरह सीजफायर लागू होने पर यूक्रेन चुनाव कराने के लिए तैयार है। 11 अक्टूबर को एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि देश का अगला नेता कौन होगा, यह फैसला यूक्रेन की जनता करेगी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू होने के कारण फिलहाल चुनाव नहीं कराए जा सकते। रूस के हमले के बाद देश में मार्शल लॉ लगाया गया था। जेलेंस्की बोले- पुतिन को रोकना ज्यादा मुश्किलः-जेलेंस्की ने कहा कि कुछ नेता युद्ध जारी रहने के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, क्योंकि वे पुतिन को रोकने का तरीका नहीं खोज पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों पर दबाव डालने के मुकाबले पुतिन को रोकना ज्यादा मुश्किल है। अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतों के लिए यूक्रेन के हमलों को जिम्मेदार ठहराने वाले ट्रम्प के दावे को भी जेलेंस्की ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि कीमतें बढ़ने की वजह मध्य पूर्व में युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी है। जेलेंस्की ने उम्मीद जताई कि अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन मिलकर रूस को रोकने की कोशिश जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को अमेरिकी मदद की उम्मीद है, लेकिन वह अपनी आजादी और स्वतंत्रता की रक्षा भी करता रहेगा।

अफ्रीकी देश जिबूती के पास नाव डूबी, 109 की मौत,116 लापता, 305 लोग थे सवार

जिबूती सिटी। अफ्रीकी देश जिबूती के तट के पास प्रवासियों से भरी नाव डूबने से 109 लोगों

की मौत हो गई, जबकि 116 लोग लापता हैं। नाव में करीब 305 लोग सवार थे। हादसे में 80 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संस्था (आईओएम) के मुताबिक, सभी जीवित बचे लोग इथियोपिया के नागरिक हैं। हादसा 8 और 9 अक्टूबर की दरमियानी रात जिबूती के ओबॉक शहर के उत्तर में हुआ। आईओएम के मुताबिक, हादसे के बाद अब तक 109 शव बरामद किए गए हैं। इनमें 52 पुरुष, 42 महिलाएं और 15 बच्चे शामिल हैं। बच्चों में 9 लड़कियां और 6 लड़के हैं। हादसे में बचे लोगों ने बताया कि नाव जिबूती से यमन जा रही थी। इसी दौरान वह समुद्र में पलट गई। लापता लोगों की तलाश और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आईओएम की टीमें जिबूती के अधिकारियों के साथ काम कर रही हैं। जिबूती में आईओएम के मिशन प्रमुख एलेक्जेंडर कोइसाक ने कहा कि यह जानमाल का बेहद दुखद नुकसान है। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है या अब भी उनकी खबर का इंतजार कर रहे हैं। आईओएम के मुताबिक, गरीबी, असुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर के कारण कई लोग रोजगार और बेहतर जिंदगी की तलाश में यह खतरनाक समुद्री रास्ता अपनाते हैं। प्रवासी जिबूती से बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट पार करके यमन पहुंचने की कोशिश करते हैं। इसके बाद उनका लक्ष्य खाड़ी देशों तक पहुंचना होता है। इस रास्ते पर समुद्र में नाव डूबने और जान जाने का खतरा बना रहता है। आईओएम ने कहा कि मध्य पूर्व में अस्थिरता के बावजूद लोग बेहतर आर्थिक अवसरों की तलाश में यह जोखिम भरी यात्रा कर रहे हैं। आईओएम के मुताबिक, 2025 में अफ्रीका से यमन जाने वाले समुद्री रास्ते पर 900 से ज्यादा प्रवासियों की मौत हो गई या वे लापता हो गए। इस रास्ते से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या भी 2024 के मुकाबले 18फीसदी बढ़ गई।मार्च 2026 में भी जिबूती के तट के पास प्रवासियों से भरी एक नाव डूब गई। इस हादसे में कम से कम 9 लोगों की मौत हुई, जबकि 45 लोग लापता हो गए। नाव में 300 से ज्यादा लोग सवार थे।

इजराइल में हमास हमले के 3 साल बाद चुनाव,माहौल नेतन्याहू के खिलाफ कई सर्वे में पिछड़े

तेल अवीव। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी पर संकट मंडरा रहा है। 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले आए 4 प्रमुख सर्वे में से 2 में विपक्षी खेमा आगे है, जबकि एक में दोनों खेमे बराबरी पर हैं और एक में नेतन्याहू का खेमा आगे है। किसी भी सर्वे में एक भी खेमे को सरकार बनाने के लिए जरूरी सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। ऐसे में चुनाव के बाद सत्ता की चाबी छोटे दलों के हाथ में जा सकती है। इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी भी खेमे को कम से कम 61 सीटों का समर्थन चाहिए। चुनाव से पहले आए चार प्रमुख सर्वे में किसी भी खेमे को यह आंकड़ा मिलता नहीं दिख रहा। इजराइल में चुनाव से पहले लोगों की राय बंटी:-येरुशलम के महाने येहुदा बाजार में चुनावी पोस्टरों के बीच 76 साल के फल विक्रेता अब्राहम लेवी को भरोसा है कि नेतन्याहू फिर सरकार बनाएंगे। वे कहते हैं, 'नेतन्याहू को अपना काम पूरा करना है।' लेकिन इसी शहर की जाफा स्ट्रीट पर दुकानदार इल्डा की राय अलग है। उनका कहना है कि हमास के हमले की जिम्मेदारी नेतन्याहू को लेनी चाहिए। तेल अवीव के जाफा इलाके में रहने वाले तुर्गेमान भी बदलाव चाहते हैं। वे कहते हैं कि वे गादी आइजनकोट का समर्थन करेंगे। लोगों की ये अलग-अलग राय इजराइल के चुनावी माहौल को दिखाती हैं। यहां कुछ लोग नेतन्याहू को दोबारा मौका देना चाहते हैं, तो कुछ हमास के हमले के बाद सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। इजराइल में 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में करीब 1,200

लोग मारे गए थे। इसके बाद गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई में 74 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। करीब तीन साल बाद हो रहे इस चुनाव में सुरक्षा, हमास के हमले की जिम्मेदारी और नेतन्याहू का नेतृत्व बड़े मुद्दे हैं। हमास हमले में अपनों को खोने वाले परिवार भी बंटेः-7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में कई परिवारों ने अपने लोगों को खो दिया था। अब चुनाव में ऐसे परिवारों के बीच भी नेतन्याहू को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। किबुत्ज बेरी की मेराव के माता-पिता हमले में मारे गए थे। उनका मानना है कि जिस सरकार के कार्यकाल में इतना बड़ा हमला हुआ, उसे दोबारा सत्ता में नहीं आना चाहिए। वहीं, नेतन्याहू की लिकुड पार्टी की उम्मीदवार तालिक देश में मजबूत नेतृत्व चाहती हैं। इससे साफ है कि हमले के पीड़ितों के परिवार भी इस सवाल पर एकमत नहीं हैं कि अगली सरकार किसकी होनी चाहिए। फिलिस्तीन को अलग देश बनाने का मुद्दा चुनावी बहस से दूरः-इस चुनाव में फिलिस्तीन को अलग देश बनाने का मुद्दा प्रमुख यहूदी दलों की बहस में ज्यादा जगह नहीं पा रहा है। नेतन्याहू फिलिस्तीनी इलाकों पर इजराइल का सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखने के पक्ष में हैं। विपक्षी दल भी सुरक्षा के मामले में सख्त रुख रखते हैं।यानी नेतन्याहू का विरोध करने वाले सभी दल फिलिस्तीन के मुद्दे पर उनसे अलग राय नहीं रखते। सरकार बदलने की मांग के बावजूद सुरक्षा और फिलिस्तीन के भविष्य को लेकर बड़े दलों के बीच मतभेद सीमित दिखाई देते हैं। सर्वे के मुताबिक, विपक्षी मतदाताओं में 36फीसदी और अरब नागरिकों में 57फीसदी लोग दो राष्ट्र समाधान का समर्थन करते हैं। इस व्यवस्था के तहत इजराइल और फिलिस्तीन दो अलग-अलग देश होंगे। सरकार बनाने में अरब पार्टियों और छोटे दलों की भूमिका अहमः-इजराइल में किसी भी खेमे को बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में छोटे दल सरकार बनाने का समीकरण बदल सकते हैं। चुनाव के बाद नेतन्याहू और विपक्ष, दोनों को सरकार बनाने के लिए दूसरे दलों के समर्थन की जरूरत पड़ सकती है। दिए गए अनुमानों के मुताबिक, कुछ छोटे दलों को 12 से 15 सीटें मिलने की संभावना है।

महाराजा अग्रसेन के आदर्श सामाजिक समरसता, समानता और लोककल्याण के लिए आज भी प्रासंगिक - बग्गा

महाराजा अग्रसेन जयंती पर रायबरेली में निकली भव्य शोभायात्रा, व्यापारियों ने किया नमन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज द्वारा विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी शहर रायबरेली में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। उत्साह, उमंग और धार्मिक आस्था से परिपूर्ण यह शोभायात्रा नगर में आकर्षण का केन्द्र रही। शोभायात्रा में महाराजा अग्रसेन जी की मनोहारी झाँकियों एवं प्रतिमाओं ने लोगों का मन मोह लिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने शोभायात्रा का स्वागत कर महाराजा अग्रसेन जी के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा ने महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा एवं झाँकियों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्री बग्गा अपने वक्तव्य में कहा कि महाराजा अग्रसेन जी भारतीय समाज के ऐसे महान युगपुरुष थे, जिन्होंने अपने जीवन एवं आदर्शों के माध्यम से समानता, सामाजिक न्याय, सेवा, सहयोग और परोपकार का संदेश दिया। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मानपूर्वक जीवन जीने तथा आपसी भाईचारे के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। महाराजा अग्रसेन जी की एकात्मता, सहकारिता और जनकल्याण पर आधारित विचारधारा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी अपने समय में थी। महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। व्यापारी समाज सदैव सामाजिक दायित्वों के निर्वहन, जरूरतमंदों की सहायता तथा राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। ऐसे में महाराजा अग्रसेन जी के सेवा, सद्भाव और सहयोग के सिद्धांत व्यापारिक समाज के लिए विशेष प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अग्रवाल समाज को भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को महापुरुषों के आदर्शों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी का जीवन समाज को एकता, समरसता, उद्यमशीलता और परस्पर सहयोग की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज में आर्थिक एवं सामाजिक समानता की भावना को प्रोत्साहित किया तथा लोककल्याण को सर्वोपरि रखने का आदर्श प्रस्तुत किया। उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, सहयोग और विकास के समान अवसर प्राप्त हों। श्री रस्तोगी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी की विचारधारा व्यापारिक समाज को ईमानदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व, परस्पर विश्वास और जनसेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उनकी जयंती केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारने तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली शोभायात्रा सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक चेतना और महापुरुषों के प्रति सम्मान की भावना को नई ऊर्जा प्रदान करती है। शोभायात्रा के दौरान पूरे वातावरण में उत्साह एवं उल्लास का माहौल रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनोज गुप्ता, दिनेश पाल, घनश्याम गुप्ता, सत्यांशु दुबे, पुरुषोत्तम गुप्ता, अनुज त्रिवेदी, मो0 शाकिब कुरैशी, पवन अग्रहरि सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों के प्रति समाज की आस्था को अभिव्यक्त करते हुए सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और लोककल्याण की भावना को सशक्त करने का संदेश दिया।

साकेत नगर में मलेरिया एवं डेंगू की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान आयोजित, स्वच्छता व जलभराव रोकने पर दिया जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को जनस्वास्थ्य की सुरक्षा तथा मच्छरजनित बीमारियों की सुनिश्चित करें तथा अपने घरों और आसपास पानी एकत्र न होने दें। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और सामूहिक की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर मच्छरों के प्रजनन को काफी हद तक रोका जा सकता

रोकथाम के उद्देश्य से संस्था के सहयोग से शहर के मोहल्ला साकेत नगर में जनजागरूकता एवं मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नालियों में जमा पानी का निरीक्षण कर मच्छरों के संभावित प्रजनन स्थलों की पहचान की गई तथा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए जलभराव रोकने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में फिरोज गांधी महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर जे.डी. द्विवेदी ने नालियों में ठहरे पानी का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में स्वच्छता को सदैव विशेष महत्व दिया गया है। स्वच्छ वातावरण न केवल स्वस्थ जीवन का आधार है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के सामाजिक उत्तरदायित्व का भी अभिन्न अंग है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे प्रत्येक सप्ताह सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाएं, नालियों की नियमित सफाई प्रयासों से ही मलेरिया एवं डेंगू जैसी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। संस्था के जिला समन्वयक राजन अवस्थी ने मलेरिया एवं डेंगू की रोकथाम के लिए जनजागरूकता, नियमित निगरानी और सामुदायिक सहभागिता को आवश्यक बताते हुए कहा कि मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समय रहते समाप्त करना बेहद जरूरी है। वहीं, कार्यक्रम समन्वयक दिनेश पाल ने नागरिकों से अपने घरों, छतों, आंगनों तथा आसपास के सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने और पानी जमा होने वाले स्थानों की नियमित जांच करने का आह्वान किया। अभियान के दौरान स्वयंसेवक धर्मेंद्र त्रिपाठी ने मलेरिया एवं डेंगू के प्रसार के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मलेरिया संक्रमित एनोफिलीज मच्छर तथा डेंगू संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। उन्होंने लोगों को कूलरों, गमलों, पानी की टंकियों तथा अन्य पात्रों में पानी जमा न होने देने, पानी रखने वाले बर्तनों की नियमित सफाई करने और नालियों में जलभराव की समस्या सामने आने पर संबंधित विभाग को सूचित करने है। स्वयंसेवक राम बाजपेयी ने जनस्वास्थ्य संरक्षण में सामुदायिक सहयोग और व्यक्तिगत जिम्मेदारी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति, संस्था अथवा विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।कार्यक्रम में दिनेश कुमार, शुभम पांडेय, अरविंद कुमार सोनी, अशोक कुमार त्रिपाठी एवं शाखा कार्यवाह सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता बढ़ाने, स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और सामुदायिक स्तर पर नियमित प्रयास जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। संस्था के सहयोग से आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को मलेरिया एवं डेंगू के प्रति जागरूक करना, मच्छरों के संभावित प्रजनन स्थलों को समाप्त करने के लिए प्रेरित करना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में जनसहभागिता सुनिश्चित करना रहा।

सचिन पटेल बने युवा प्रभारी, शिवांशी पाण्डेय को महिला योग प्रशिक्षण की जिम्मेदारी

मातृभूमि सेवा मिशन ने दोनों को सौंपे नए दायित्व, अध्यक्ष रामराज गिरी और महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा ने प्रदान किए प्रशस्ति पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई

ने सेवा, योग और सामाजिक जागरूकता के कार्यों को विस्तार देने के उद्देश्य से सचिन पटेल को युवा प्रभारी तथा शिवांशी पाण्डेय को महिला योग प्रशिक्षण का दायित्व सौंपा। मिशन के अध्यक्ष रामराज गिरी एवं महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा ने दोनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में रश्मि पाण्डेय और अंशिका ने शिवांशी पाण्डेय को माल्यार्पण कर स्वागत किया, जबकि शिवेंद्र एवं डी.बी. सिंह ने सचिन पटेल को माला पहनाकर सम्मानित किया। लाइव के अधिकारी जयशंकर सिंह ने दोनों को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान गुड्डू ने भी सहयोग प्रदान किया। युवा प्रभारी का दायित्व मिलने पर सचिन पटेल ने कहा कि वह इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण से करेंगे। युवाओं को सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों से जोड़ना और मिशन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता होगी। महिला योग प्रशिक्षण का दायित्व मिलने पर शिवांशी पाण्डेय ने कहा कि वह महिलाओं को प्रतिदिन आयोजित होने वाले निःशुल्क योग शिविर में शामिल होने के लिए प्रेरित करेंगी। उनका प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक महिलाएं योग अपनाकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहें और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े। मिशन के अध्यक्ष रामराज गिरी ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और महिलाओं की सहभागिता समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है। महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा ने कहा कि दोनों कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी मिलने से मिशन की सेवा गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलेगी। मिशन के संयोजक प्रदीप पाण्डेय ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वरीय सेवा है। निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करना मिशन का मूल उद्देश्य है। नए दायित्वों के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को सेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यों से जोड़ने का प्रयास कार्यक्रम में मुख्य शिक्षक अनूप, शिवा, रविंद्र, शिवा, पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय, , शिवेंद्र, सुमित, डी.बी. सिंह, अजय पाल सिंह एवं भारत लाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर गरीब बच्चों को बांटी गई कॉपी-पेंसिल और फल,आशा यस ए-वन फाउंडेशन का निःशुल्क शिक्षा महाअभियान जारी, आर्थिक अभाव में किसी बच्चे की पढ़ाई न रुके:आशा यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरहूआ। उन्हें आत्मनिर्भर भविष्य की ओर अग्रसर करना संस्था की है कि जो बच्चे किसी कारणवश विद्यालय की चौखट तक नहीं

रविवार को काजी सराय,भटौली नवरात्रि के पावन पर्व पर आशा यस ए-वन फाउंडेशन की ओर से गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद बच्चों के बीच कॉपी, पेंसिल, रबर सहित अन्य शैक्षिक सामग्री और फल वितरित किए गए। इस दौरान बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रेरित किया गया। संस्था का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करना है। फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसी संकल्प के साथ संस्था पिछले एक महीने से निःशुल्क शिक्षा एवं प्रशिक्षण महाअभियान चला रही है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि गरीब बच्चों को शिक्षित बनाना और प्राथमिकता है। संस्था की महामंत्री निशा देवी ने बताया कि प्रत्येक रविवार को ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब, दलित, पिछड़े एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा और कोचिंग दी जा रही है। इस अभियान को निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा के अवसर

से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि बच्चों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ उनमें पढ़ाई के प्रति रुचि पैदा करना भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जीवन निःशुल्क शिक्षा के लिए समर्पित : हरविंदर कौर- बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहीं शिक्षिका हरविंदर कौर ने कहा कि मेरी पूरा जीवन निःशुल्क शिक्षा के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया है। उनका प्रयास पहुंच पाते, उन्हें शिक्षा से जोड़कर आगे बढ़ने का अवसर दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक रविवार को संस्था के बैनर तले विभिन्न गांवों में पूरे दिन बच्चों को निःशुल्क पढ़ाया जाता है। हरविंदर कौर ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा के प्रति जागरूक और संवेदनशील होना चाहिए। जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करना केवल किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। शिक्षा ही वह माध्यम है, जिसके सहारे बच्चे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नवरात्रि के पावन अवसर पर शैक्षिक सामग्री एवं फल वितरण के माध्यम से संस्था ने शिक्षा, सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया। फाउंडेशन ने अपने निःशुल्क शिक्षा महाअभियान को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

अभियान मिशन शक्ति के तहत नैनी में महिला जागरूकता रैली निकाली गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। रविवार को सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान मिशन शक्ति में जागरूक करते हुए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों:1090 (वूमेन

प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु समर्पित शारदीय नवरात्रि के अवसर पर अक्टूबर 2026 से प्रदेश भर में अभियान मिशन शक्ति-6.0 का आगाज किया गया जिसके क्रम में आज पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के पर्यवेक्षण एव एसीपी करछना कुंज लता के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक नैनी अविनाश सिंह द्वारा नारी सुरक्षा, 6.0 के तहत नैनी थाने की महिला बीट अधिकारियों द्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, सम्भ्रान्त व्यक्ति व नैनी पुलिस टीम द्वारा नैनी कस्बा पुलिस चौकी से शुरू होकर प्रमुख चौराहों, बाजारों, भीड़ भाड़ वाले स्थानों आदि पर पैदल मार्च किया गया । जिसमें बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के संबंध पावर हेल्पलाइन) , 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) की विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूकता पत्रक (पम्फलेट) वितरित किए गए साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र, एण्टी-रोमियो स्क्वाड व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया।

क्षेत्र का विकास करना मेरी प्राथमिकता-महापौर गणेश केसरवानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। चक भटाई संकट महापौर श्री गणेश केसरवानी का मेरी प्राथमिकता विकास कार्य को

मोचन नगर पूरा फ़तेह मोहम्मदही वार्ड नंबर 81 में महापौर प्रयागराज श्री गणेश केसरवानी जी ने किया सड़क का उद्घाटन पार्षद वार्ड नंबर 81 मयंक यादव ने बताया कि यह सड़क बहुत दिनों से खराब पड़ी थी महापौर जी के प्रयास से लगभग 20 लख रुपए की लागत से गली का एवं नाली का निर्माण कराया गया कारण नागरिकों के सुख सुविधा का विशेष ध्यान देना है इस अवसर पर पार्षद मयंक यादव जी महामंत्री ओमप्रकाश मिश्रा महामंत्री केके शुक्ला शुक्ला पंडित दामोदर प्रसाद तिवारी राज सिंह प्रदीप तिवारी सुधीर प्रजापति उमेश सेन नीरज शर्मा आलोक सिंह नीरज सिंह संजय श्रीवास्तव मौजूद रहें।

दुकान के बाहर मृत मिला युवक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी जीटी रोड स्थित एक दुकान के बाहर सोमवार सुबह एक व्यक्ति मृत पड़ा मिला। राहगीरों ने इसकी जानकारी दुकान मालिक हुआ नैनी

पुलिस को दी। सूचना पर दुकान मालिक अरुण कुमार गुप्ता निवासी गंगोत्री नगर व नैनी पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान कलुआ के रूप में की गई। दुकानदार ने बताया कि वह दुकान में छोटा-मोटा काम किया करता था और रात को दुकान के बाहर ही सो जाया करता था। वह कहां का रहने वाला था यह स्पष्ट नहीं हो सका। पुलिस ने विधि कार्रवाई करते हुए शव को पीएम हाउस भेज दिया।

'द ठलुआगीरी' के आगरा ऑडिशन में उमड़ा प्रतिभाओं का सैलाब, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात से पहुंचे 100 से अधिक कलाकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) आगरा। रविवार को देशी भाषा, लोक संस्कृति और क्षेत्रीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित बहुप्रतीक्षित टैलेंट शो 'द ठलुआगीरी' का ऑडिशन आज 11 अक्टूबर 2026 को आगरा स्थित होटल क्रैस्टा इन में भव्य रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस ऑडिशन में पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित विभिन्न राज्यों से 100 से अधिक कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। 'द ठलुआगीरी' का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली कलाकारों को एक बड़ा मंच उपलब्ध कराना है, जो अपनी कला और हुनर के दम पर आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों और उचित अवसरों के अभाव में अपनी प्रतिभा को व्यापक पहचान नहीं दिला पाते। यह मंच कविता, शायरी, कॉमेडी, अभिनय, गायन, संगीत और

अन्य विशिष्ट प्रतिभाओं को सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में प्रसिद्ध कवि पवन आगरी, मॉडल हेमा बैजल, संगीतकार विक्रम शुक्ला और फिल्म निर्देशक यासीन खान उपस्थित रहे। जजों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया तथा उनके हुनर, रचनात्मकता और मंचीय क्षमता को परखा। विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों की भागीदारी ने इस आयोजन को विशेष और यादगार बना दिया। कार्यक्रम के संयोजक, प्रशस्ति फाउंडेशन के संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. कुमार मनोज ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों, सहयोगियों और उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'द ठलुआगीरी' केवल एक टैलेंट शो नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने में छिपी प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का एक सार्थक प्रयास है। विभिन्न राज्यों से इतनी बड़ी संख्या में कलाकारों का पहुंचना इस अभियान के प्रति बढ़ते विश्वास और उत्साह को दर्शाता है। इस अवसर पर होटल क्रैस्टा इन के मालिक सौरभ बॉस एवं निखिल जी व संजय बैजल अपने परिवार सहित उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम में सहभागिता

की और इस आयोजन की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम में कलाकारों के साथ-साथ कला एवं मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों की भी उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। गौरतलब है कि प्रशस्ति फाउंडेशन पिछले 10 वर्षों से प्रतिभाओं की खोज और उन्हें मंच प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। फाउंडेशन से जुड़े डिजिटल मंचों के माध्यम से देशभर के कलाकारों तक पहुंच बनाने का प्रयास किया जा रहा है। 'द ठलुआगीरी' इसी अभियान को और व्यापक स्वरूप देने की पहल है, जिसका लक्ष्य स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना और उन्हें अपनी कला के प्रदर्शन के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। आगरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ यह ऑडिशन 'द ठलुआगीरी' की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। आयोजकों ने सभी कलाकारों, जजों, अतिथियों और सहयोगियों के योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के इस अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

सपा नोएडा महानगर ने धूमधाम से मनाई लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा नोएडा सेक्टर 53 सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय में लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। सभी समाजवादी लोगों ने जेपी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करने का काम किया। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे उन्हें 1970 में इंदिरा गांधी के विरुद्ध विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है।

महानगर महासचिव विकास यादव ने कहा कि वे सच्चे समाज सेवक थे जिन्हें 'लोकनायक' के नाम से भी जाना जाता है।

वही गौरव यादव ने बताया कि 1999 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में डॉक्टर आश्रय गुप्ता ,विकास यादव ,गौरव यादव, अली शेर ,जितेंद्र गुप्ता ,लोकपाल पहलवान, पंकज चौरसिया ,मोहम्मद रब्बानी ,कमल जाटव, संदीप बागड़ी, प्रदीप यादव,राम अवतार यादव, दशरथ ठाकुर ,अनेक प्रधान, शाहिद उस्मानी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा की रामलीला का भव्य शुभारंभ,प्रथम दिवस गणेश वंदना एवं माता गौरा की स्तुति के साथ हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा द्वारा आयोजित रामलीला का शुभारंभ भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में हुआ। प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं माता गौरा की स्तुति के साथ हुआ। भक्तिमय प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया तथा संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया। इस शुभारंभ अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह , कैप्टन विकास गुप्ता, श्रीमती विमला बाथम, वाई.पी. सिंह, गिरीश बत्रा एवं मधुसूदन दादू सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में गणेश वंदना एवं माता गौरा की स्तुति के माध्यम से भगवान गणेश और माता पार्वती का स्मरण कर रामलीला के सफल आयोजन की मंगलकामना की गई। कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने धार्मिक आस्था एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। समिति के कार्यक्रम संयोजक मधुसूदन दादू जी, कार्यक्रम अध्यक्ष मुकेश शर्मा तथा स्वागत अध्यक्ष पीयूष द्विवेदी सहित समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने रामलीला के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, श्री टी.एन. गोविल , टी.एन. चौरसिया, सुशील भारद्वाज, संजय वाली, अल्पेश गर्ग, अतुल मित्तल, पंकज जिंदल, रमेश कुमार, विपिन बंसल, एस.के.एस. राणा, विनय शर्मा, अनुज गुप्ता, अनिल गुप्ता,कुलदीप गुप्ता, सतनारायण गोयल, मित्रा शर्मा , राजीव अजमानी, अनिल गुप्ता , संजय गोयल, रामरतन, केशव गंगल, पवन सिंह, महेंद्र कटारिया, मुकेश गर्ग, डॉक्टर एस पी जैन , राजीव गर्ग, डी के मित्तल, चित्तरंजन, मनीष अग्रवाल, विकास जैन, प्रमोद रंगा, चंद्रपाल सिंह, अखिलेश भदौरिया,मुकेश गुप्ता, जितेंद्र सिंह,राहुल गौतम,पवन अग्रवाल,प्रदीप अग्रवाल,रामकुमार शर्मा,लोकेश कश्यप,नवीन पोरवाल,अमित पोरवाल, राहुल बाली,पुनीत शुक्ला, निखिल गुप्ता,विपिन मल्हण, पुष्कर शर्मा,ललित गुप्ता, रोहित श्रीवास्तव,कुलभूषण बाली,अरविंद कालरा,हरवीर यादव,वीरेश तिवारी,अमित त्यागी,ओमवीर अवाना, डिम्पल आनंद,चन्दगी राम यादव,विनोद शर्मा,एवं प्रमोद शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा आयोजित यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और धार्मिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। समिति ने नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से रामलीला के आगामी कार्यक्रमों में सपरिवार सम्मिलित होकर आयोजन की गरिमा बढ़ाने की अपील की।

नगर पंचायत सलोन अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन की मतगणना 15 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे से होगी

गणना अभिकर्ताओं को नियुक्ति पत्र एवं प्रवेश पास के आधार पर ही मिलेगा प्रवेश, मतगणना केन्द्र में मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस प्रतिबंधित, विजय जुलूस निकालने पर भी रोक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) अंजूलता ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुपालन में नगरीय निकाय उप निर्वाचन माह सितम्बर-अक्टूबर, 2026 के अन्तर्गत नगर पंचायत सलोन के रिक्त अध्यक्ष पद पर सम्पन्न सविरोध उप निर्वाचन की मतगणना 15 अक्टूबर 2026 को प्रातः 8:00 बजे से निर्धारित मतगणना केन्द्र सर्वोदय विद्यापीठ इण्टर कॉलेज, सलोन में प्रारम्भ होगी। उन्होंने समस्त उम्मीदवारों को सूचित किया है कि प्रत्येक उम्मीदवार मतगणना टेबलवार अपने रिटर्निंग ऑफिसर के माध्यम से गणना अभिकर्ता की नियुक्ति कराते हुए निर्धारित समय पर गणना प्रवेश पास प्राप्त कर लें। नियुक्ति पत्र एवं प्रवेश पास के आधार पर ही गणना अभिकर्ता को मतगणना हॉल में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मतगणना टेबल पर उम्मीदवार, निर्वाचन अभिकर्ता अथवा नियुक्त गणना अभिकर्ता में से केवल एक व्यक्ति ही उपस्थित रह सकता है। मतगणना केन्द्र के अन्दर उम्मीदवारों, निर्वाचन अभिकर्ताओं एवं गणना अभिकर्ताओं को मोबाइल फोन, अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस तथा तरल पदार्थ ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने यह भी बताया है कि निर्वाचन परिणाम घोषित होने के उपरान्त निर्वाचित उम्मीदवार द्वारा विजय जुलूस निकालना प्रतिबंधित रहेगा।

सेक्टर-46 नोएडा में आज से शुरू हुआ रामलीला महोत्सव 2026, राम जन्मोत्सव का हुआ भव्य मंचन

राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर और पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने किया रामलीला महोत्सव का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रविवार को श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर-46 स्थित ए ब्लॉक रामलीला ग्राउंड में रामलीला महोत्सव 2026 का शुभारंभ हुआ। रामलीला का मंचन प्रतिदिन सायं 7:30 बजे से होगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और रामभक्तों में उत्साह का माहौल है।रामलीला महोत्सव के प्रथम दिन मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद एवं केंद्र सरकार के सदस्य सुरेंद्र नागर तथा नोएडा के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता उपस्थित थे। उनके द्वारा रामलीला महोत्सव का उद्घाटन किया गया। गणेश पूजन से हुआ शुभारंभ, राम जन्मोत्सव का हुआ मंचनः- रामलीला के प्रथम दिन कार्यक्रम की शुरुआत श्री गणेश पूजन से हुआ। इसके बाद राजा दशरथ और शंबरासुर के बीच युद्ध, कैकेयी द्वारा राजा दशरथ के प्राणों की रक्षा, राजा दशरथ द्वारा कैकेयी को दो वरदान देने का वचन, दशरथ दरबार में पुत्रेष्टि यज्ञ तथा भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का मंचन किया गया। इन प्रसंगों के माध्यम से दर्शकों को रामायण की महत्वपूर्ण घटनाओं से परिचित कराया गया। समिति के पदाधिकारी एवं सहयोगी जुटे रहे आयोजन की तैयारियों मेंः- रामलीला महोत्सव का आयोजन श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजन समिति में चेयरमैन मनोज अग्रवाल (सीएमडी, प्रिया गोल्ड), वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन एवं पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीए मनोज अग्रवाल सहित पंडित कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल, संदीप अग्रवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सांसद डॉ.महेश शर्मा व विधायक पंकज सिंह द्वारा श्रीरामलीला महोत्सव का शुभारंभ,गणेश पूजन के साथ ग्यारह दिवसीय लीला मंचन का हुआ श्रीगणेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रविवार को श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव-2026 का मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री व क्षेत्रीय सांसद डा.महेश शर्मा जी एवं विधायक पंकज सिंह जी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा व संस्था के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। श्रीरामलीला मंचन की शुरूआत श्रीगणेश पूजन एवं श्रीगणेश जी की वंदना के साथ हुई।गणेश वंदना में कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति पेश कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रथम दृश्य में दिखाया गया कि नारद जी को अहंकार हो जाता हैं और भगवान अपने भक्त के अहंकार का समूल नाश करते हैं। भगवान विष्णु अपनी माया से एक माया नगरी बनाते हैं,जिसमें विश्वमोहनी नाम की राजकुमारी का स्वयंवर होता है। नारद जी उस कन्या पर मोहित होकर उससे विवाह करना चाहते हैं और भगवान से सुन्दर स्वरूप मांगते हैं लेकिन भगवान उनको बंदर का स्वरूप प्रदान करते हैं।जब वह सभा में पहुंचते हैं तो शिवगण उनका मजाक उड़ाते हैं और वह कन्या भगवान विष्णु के गले में वरमाला डाल देती है।उपहास से क्रोधित नारद जी भगवान को श्राप दे देते हैं। इधर लंका का राजा रावण राक्षसों के साथ ऋषि मुनियों पर अत्याचार करता हैं।भगवान शिव माता पार्वती को श्रीराम कथा सुनाते हैं।इसी के साथ प्रथम दिवस की रामलीला का समापन भगवान श्रीराम की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि रामलीला के दूसरे दिन 12 अक्टूबर को देवताओं द्वारा विष्णु जी से प्रार्थना, राम जन्म,श्रीराम जी जन्म, विश्वामित्र आगमन,राक्षसों का अत्याचार, तड़का वध, सुबाहु वध, अहिल्या उद्धार, आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा। मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता ने बताया कि कल, 12 अक्टूबर 2026 को श्रीराम जन्मोत्सव के पावन उपलक्ष्य में भक्ति एवं संगीत से परिपूर्ण भजन जैमिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।इस विशेष अवसर पर प्रसिद्ध गायक गगन राठौड़ एवं उनकी मंडली द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।कार्यक्रम का उद्देश्य प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव की खुशियों को भक्तिमय वातावरण में मनाना तथा सभी आयु वर्ग के श्रद्धालुओं को भक्ति रस से जोड़ना है। रामलीला के अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार गर्ग,कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल,चौधरी रविन्द्र सिंह,तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, मुकेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, मनोज शर्मा, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता,गिरिराज बहेडिया, चक्रपाणि गोयल, राजेश माथुर, सुधीर पोरवाल, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती, साहिल चौधरी, मनीष गोयल, दयाशंकर तिवारी सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ब्रेकिंग न्यूज़ मैहर-रीवा मार्ग, एनएच-30

तमस नदी ब्रिज पर भीषण सड़क हादसा, दो लोगों की दर्दनाक मौत; क्षतिग्रस्त सड़क और प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर।रविवार को रीवा-मैहर मार्ग

पर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-30 स्थित तमस नदी ब्रिज के ऊपर भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत होने की खबर सामने आई है। इस दर्दनाक घटना के बाद सड़क की स्थिति और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोपहिया वाहन और स्कॉर्पियो के बीच जोरदार टक्कर हुई। दोपहिया वाहन का नंबर एमपी-20 एक्स-2815 तथा स्कॉर्पियो का नंबर यूपी-37 एफ-9818 बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहन चालकों को रॉन्ग साइड से निकलना पड़ रहा है। इसी दौरान गलत दिशा में वाहन चलाने की स्थिति में यह हादसा होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। आखिर सड़क की मरम्मत कब होगी? सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण यदि वाहन चालक रॉन्ग साइड से गुजरने को मजबूर हैं, तो यह स्थिति संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को सड़क की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत तथा सुरक्षा के उचित इंतजाम करने चाहिए। सवाल यह है कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदार विभाग की नींद खुलेगी? एक ओर यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाती है, वहीं दूसरी ओर यदि सड़क की खराब स्थिति के कारण दुर्घटना का खतरा बना हुआ है, तो उसे दूर करना भी संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। सड़क की मरम्मत में देरी और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के अभाव की जांच होनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को ऐसा दर्द न सहना

पड़े।

किसी के घर का चिराग बुझ गया! दो लोगों की मौत केवल एक दुर्घटना का आंकड़ा नहीं, बल्कि दो परिवारों के लिए जीवनभर का दुख है। यदि क्षतिग्रस्त सड़क और यातायात व्यवस्था में कमी इस हादसे की वजह बनी है, तो इसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। शासन-प्रशासन और एनएचएआई से सवाल है– आखिर इस सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम कब उठाए जाएंगे?

डीएम ने पोलिंग पार्टियों की रवानगी एवं निर्वाचन व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नगर पंचायत सलोन के अध्यक्ष पद पर उप निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु सर्वोदय विद्यापीठ इंटर कॉलेज सलोन का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने नगर पंचायत सलोन के रिक्त अध्यक्ष पद पर उप निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सर्वोदय विद्यापीठ इंटर कॉलेज, सलोन का निरीक्षण कर निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दिनांक 13 अक्टूबर 2026 को सम्पन्न होने वाले मतदान के दृष्टिगत आज सभी पोलिंग पार्टियों की रवानगी संबंधित मतदेय स्थलों के लिए की जा रही है। जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर पोलिंग पार्टियों की रवानगी सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने पर विशेष जोर देते हुए संबंधित

अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। पोलिंग पार्टियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक निर्वाचन सामग्री एवं अभिलेख उपलब्ध कराते हुए समय से रवाना किया जाए, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने निर्देश दिए कि मतदान से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण रखी जाएं तथा निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी, सतर्कता एवं निष्पक्षता के साथ करें। साथ ही, मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा सभी व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करते हुए उप निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता,अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सलोन अंकित कुमार, क्षेत्राधिकारी सलोन यादवेन्द्र बहादुर पाल सहित संबंधित अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहें।

भंगेल में धूमधाम से मनाई गई महाराजा अग्रसेन जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रविवार को सेक्टर 102 स्थित भंगेल में सलारपुर भंगेल व्यापार मंडल द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज गोयल एवं सपा नोएडा महानगर के पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने व्यापारियों के साथ महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर सपा के पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि महाराजा अग्रसेन सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा थे। उनका जन्म द्वापर युग के अंत में हुआ माना जाता है। वे राजा वल्लभसेन के पुत्र थे और अग्रोहा (वर्तमान में हरियाणा का हिसार क्षेत्र) के शासक बने। उन्होंने अग्रवाल समाज की स्थापना की और व्यापार को बढ़ावा दिया। वे अहिंसा , समानता और सहयोग के प्रबल समर्थक थे। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी का प्रसिद्ध सिद्धांत था एक ईंट एक रुपया इसका मतलब था कि राज्य में कोई भी नया परिवार आता था उसे हर घर से एक ईंट एक रुपया दिया जाता था जिससे वह परिवार आसानी से घर बना सकता था और व्यापार शुरू कर सकता था। इस तरह समाज में कोई गरीब नहीं रहता था। इस मौके पर सुबोध गोयल , प्रशांत गोयल , अरविंद गर्ग , सौरभ जिंदल , राजीव गुप्ता , उमेश शर्मा , पंकज त्यागी , विशाल गुप्ता , मोहित , प्रमोद , अनिल गोयल सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

महर्षि नगर में दुर्गा पूजा एवं रामलीला का हुआ भव्य मंचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महर्षि नगर नोएडा महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ महर्षि नगर शारदीय नवरात्रि के दौरान रोजाना सुबह दुर्गा पूजन एवं साय को भजन वेद पर प्रवचन तथा आरती की जायेगी ।वहीं रात में 8:00 बजे श्री रामलीला का मंचन किया जायेगा । यह कार्यक्रम 11 अक्टूबर से शुरू है जो 21 अक्टूबर तक चलेगा। उक्त जानकारी कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी ए के लाल ने दी। सुबह से देर रात तक चलने वाले धार्मिक कार्यक्रम से लगता है कि समूचा महर्षि नगर भक्ति तथा अध्यात्मक की गूंज से सरोबोर हो गया है। । महर्षि नगर में मां दुर्गा दुर्गा, गणेश जी ,लक्ष्मी जी , सरस्वती जी, कार्तिकेय एवं राम एवं लक्ष्मण की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महर्षि संस्थान के अध्यक्ष अजय प्रकाश श्रीवास्तव की उपस्थिति में वैदिक विद्वानों द्वारा की गई महर्षि दुर्गा पूजा आर विजयादशमी के सयोजक रामेन्द्र सचान ने बताया है कि यहां प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से दुर्गा पूजन पाठ एवं साय 7:00 बजे से भजन वेद पाठ करके प्रवचन होने तथा आरती होगी। इसके बाद महर्षि श्री रामलीला रात्रि को 8:00 बजे से रामलीला का मंचन होगा और 21 अक्टूबर को भारत भरत मिलाप तथा राज्य तिलक का मंचन किया जाएगा । 20अक्टूबर को विजयादशमी महोत्सव रावण का दहन किया जाएगा । शारदीय नवरात्रि के अवसर पर यज्ञा अनुष्ठान संकल्पों से इच्छित कार्यों की प्राप्ति होती है । महर्षि योगी के निर्देशन में विष चेतना में देवी शांति की जागरण करने के उपेसय से विनायक पीठो के ज्योति लिंगो की शक्ति पीठो की स्थापना की जा रही है।यहां नियमित वेद पाठ यज्ञ अनुष्ठान आदि हो रहे है आज महर्षि नगर दुर्गा पूजा में मुख्य अतिथि अजय प्रकाश महर्षि संस्थान केअध्यक्ष.।इस अवसर पर विनोद श्रीवास्तव , विनीत श्रीवास्तव ,शिशिर श्रीवास्तव, विनोद दीक्षित, एस पी गर्ग, मनोज श्रीवास्तव, एल एस सोम,लल्लन पाठक, दयाशंकर गुप्ता, श्रीकांत ओझा, शीशपाल सिंह यादव, कमलेश यादव, रजनीश यादव, नरेश श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला, नरेंदर सिंह आदि मौजूद।

मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत नैनी कस्बा से सब्जी मंडी तक निकाला गया जागरूकता पैदल मार्च

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण को सफल बनाने के उद्देश्य से कस्बा नैनी में माननीय विधायक करछना श्री पीयूष रंजन निषाद एवं सहायक पुलिस आयुक्त करछना के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति टीम नैनी द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं सशक्तीकरण के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर नैनी कस्बा से नैनी सब्जी मंडी के मध्य पैदल मार्च निकालकर आमजन को, महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, उनके अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। पैदल मार्च में सहभागिता- अभियान में मिशन शक्ति टीम नैनी के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा बहुओं, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, पार्षदों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय महिलाओं एवं पुरुषों ने सहभागिता की । सभी ने महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग प्रदान किया। हेल्पलाइन नंबरों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी- पैदल मार्च के दौरान आमजन को शासन द्वारा जारी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 108 (एम्बुलेंस सेवा) एवं 1930 (साइबर वित्तीय धोखाधड़ी हेल्पलाइन) के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना, महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना तथा पुलिस एवं आमजन के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा।

आज रात परमार्थ त्रिवेणी पुष्प में सजेगी भव्य डांडिया नाइट, अभिनेत्री-सिंगर श्वेता चौहान होंगी सेलिब्रिटी गेस्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी में इस बार डांडिया का उत्सव एक नए अंदाज में देखने को मिलेगा। परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती (मुनि जी) के आशीर्वाद से 12 अक्टूबर को अरैल घाट स्थित 20 एकड़ में फैले हरियाली से भरपूर परमार्थ त्रिवेणी पुष्प परिसर में भव्य गरबा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शाम छह बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। विशाल प्राकृतिक परिसर, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट और आध्यात्मिक वातावरण इस आयोजन को खास बनाने की तैयारी में हैं। आयोजकों के अनुसार, डांडिया नाइट में मनोरंजन के साथ शहरवासियों को एक अलग तरह का सांस्कृतिक और उत्सवी अनुभव देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अभिनेत्री एवं सिंगर श्वेता चौहान की मौजूदगी होगी। उनके साथ लाइव बैंड, लाइव ढोल और डीजे की प्रस्तुतियां डांडिया की शाम को संगीतमय बनाएंगी। आयोजन में विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां, प्रतियोगिताएं और पुरस्कार भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पुष्पेंद्र जी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य प्रयागराजवासियों को एक बड़े, सुरक्षित और पारिवारिक वातावरण में गरबा एवं डांडिया की सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि परमार्थ त्रिवेणी पुष्प का विशाल हरित परिसर इस आयोजन को एक अलग पहचान देगा। शहर के कई विशिष्ट एवं गणमान्य अतिथियों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

परासी दुबे गांव में दहशत, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई- ग्रामीण परेशान

बंदरों का आतंक, अधेड़ पर हमला - जिला अस्पताल में भर्ती, दर्जनों लोगों को काटा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के परासी दुबे गांव में रविवार को बंदरों के आतंक से एक अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार रामगोपाल दुबे (49) पुत्र स्व. आदित्य प्रसाद द्विवेदी पर सुबह दर्जनों बंदरों ने हमला कर काट लिया। गंभीर हालत में उन्हें ट्रॉमा सेंटर रॉबर्ट्सगंज, लोढ़ी के इमरजेंसी वार्ड-14 में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार ये बंदर अब तक गांव के करीब 40 से 50 लोगों को काट चुके हैं। इसकी सूचना डीएम कार्यालय, पूर्व डीएम, वन विभाग और मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

बंदरों को पकड़ने के लिए कोई पहल न होने से बच्चों, बुजुर्गों सहित पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

शारदीय नवरात्रि के दौरान मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 का शुभारंभ, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा हरी झंडी दिखाकर भव्य पैदल मार्च को किया गया रवाना

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का दिया गया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में शारदीय नवरात्रि के दौरान मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 का शुभारंभ करते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक नगर/मुख्यालय सुश्री मेविस टॉक एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर मिश्रा की उपस्थिति में राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज, कस्बा रॉबर्ट्सगंज से भव्य पैदल मार्च का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा हरी झंडी दिखाकर भव्य पैदल मार्च का शुभारंभ किया गया। इसमें राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज की छात्राएँ, विंद बीएड कॉलेज की छात्राएँ, साई पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राएँ, महिला सहायता समूह की महिलाएँ, मारवाड़ी मंच की महिलाएँ आदि सम्मिलित हुईं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन तथा उनके अधिकारों के प्रति आमजन को जागरूक करना और महिला सुरक्षा के प्रति सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पैदल मार्च के माध्यम से महिला सुरक्षा एवं नारी सशक्तिकरण का संदेश देते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा आपातकालीन स्थिति में तत्काल पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, आमजन से महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने तथा सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। महिला सुरक्षा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरः- 112 - आपातकालीन सेवा, 1090 - महिला पावर लाइन, 1091 - महिला पुलिस हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सोनभद्र पुलिस महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

पति ने बेरहमी से पत्नी कि कुल्हाड़ी से मार कर कि हत्या

सोनभद्र में रिश्तों का कत्ल - जंगल में पत्नी की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या का आरोप, पति हिरासत में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र में एक बार फिर रिश्तों को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। शाहगंज थाना क्षेत्र के राजपुर गांव की

रहने वाली 46 वर्षीय अमरावती कोल की महुअरिया जंगल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच बच्चों के साथ रहने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी विवाद के दौरान पति ने पहले पत्नी पर हमला किया और फिर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जंगल में हुई इस वारदात के बाद महिला घायल अवस्था में पड़ी रही और समय पर किसी को इसकी सूचना नहीं मिल सकी। परिजन जब तलाश करते हुए मौके पर पहुंचे, तब महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सोनभद्र के शाहगंज थाना क्षेत्र से सामने आई यह वारदात पति-पत्नी के रिश्ते और घरेलू विवाद के खौफनाक अंजाम की ओर इशारा कर रही है। मृतका अमरावती कोल राजपुर गांव की रहने वाली थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अमरावती और उसका पति मुन्ना कोल गांव से कुछ दूरी पर महुअरिया जंगल के पास रहते थे। उनके दो बेटे हैं और दोनों की शादी हो चुकी है। बताया गया कि पति-पत्नी सामान्य तौर पर प्रत्येक रविवार को अपने मूल गांव राजपुर आते थे और फिर वापस लौट जाते थे। इसी तरह गांव से वापस जाते समय रास्ते में पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक, पति चाहता था कि उसकी पत्नी बच्चों के साथ राजपुर में ही रहे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। आरोप है कि विवाद के दौरान मुन्ना कोल ने अमरावती पर हमला कर दिया। हमले से वह जमीन पर गिर पड़ी, जिसके बाद आरोपी ने कुल्हाड़ी से भी वार किया। जंगल में हुई इस वारदात के बाद घटनास्थल पर तत्काल मदद पहुंचाने वाला कोई मौजूद नहीं था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के पास मोबाइल फोन भी नहीं था, जिसके कारण घटना की सूचना तत्काल पुलिस या अन्य लोगों तक नहीं पहुंच सकी। उधर, परिजन जब अमरावती की तलाश करते हुए रास्ते की ओर पहुंचे, तो वह घायल अवस्था में मिली। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की और आरोपी पति मुन्ना कोल को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने, विवाद की वजह और वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच में जुटी है। मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई के बाद ही घटना से जुड़े सभी पहलुओं की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। एक घरेलू विवाद से शुरू हुआ घटनाक्रम आखिर एक महिला की मौत पर जाकर खत्म हुआ। अब पुलिस जांच के केंद्र में यही सवाल है कि विवाद किस हद तक बढ़ा और वारदात की पूरी परिस्थितियां क्या थीं।

'जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश

प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ईवीएम एवं वीवीपैट की फर्स्ट लेवल चेकिंग 12 अक्टूबर से होगी प्रारंभ,कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम/वीवीपैट गोदाम, लोढ़ी में बेल इंजीनियरों द्वारा किया जाएगा एफएलसी का कार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रविवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या-258/सी0ई0ओ0-5-36/05-2026 दिनांक 30 सितंबर, 2026 एवं पत्र संख्या-273/सी0ई0ओ0-5-36/05-2026 दिनांक 05 अक्टूबर, 2026 के क्रम में जनपद सोनभद्र में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के लिए ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) का कार्य दिनांक 12 अक्टूबर, 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनभद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बेल) के इंजीनियरों द्वारा ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग का कार्य कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम/वीवीपैट गोदाम, लोढ़ी, सोनभद्र में संपन्न कराया जाएगा।

वन स्टाफ सेन्टर पहुंची बच्ची यो से मिलने आकांक्षा समिति कि अध्यक्ष आरूषि मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र में रेस्क्यू की गई दो बच्चियों को बेहतर भविष्य और सम्मानजनक जीवन दिलाने की पहल की जा रही है। इसी क्रम में आज सोनभद्र मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर में सोनभद्र-मिर्जापुर वाइल्डलाइफ डी0एफ0ओ0 एवं आकांक्षा समिति की अध्यक्ष आरुषि मिश्रा बच्चियों से मिलने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इन बच्चियों को अपना स्नेह और प्यार दें, ताकि इन्हें भी परिवार जैसा माहौल मिल सके। सोनभद्र मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर में निरीक्षण के दौरान आरुषि मिश्रा ने हाल ही में रेस्क्यू की गई दोनों बच्चियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सेंटर पहुंचकर बच्चियों से मिलें और उन्हें अपनापन, स्नेह और प्यार दें। साथ ही उन्होंने बच्चियों को स्थायी आश्रय उपलब्ध कराने के लिए गोद लेने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी किए जाने पर जोर दिया, जिससे बच्चियों को सुरक्षित वातावरण में सम्मानजनक जीवन मिल सके। उन्होंने बताया कि यहां रेस्क्यू की गई दोनों बच्चियों से मिलने आई हूं। मेरी लोगों से अपील है कि इन बच्चों को स्नेह और प्यार दें। इनकी गोद लेने की प्रक्रिया जल्द पूरी हो, ताकि इन्हें एक स्थायी आश्रय मिल सके और ये सुरक्षित माहौल में सम्मानजनक जीवन जी सकें।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स

पूर्व क्रिकेटर ने अगरकर की चयन समिति पर सवाल उठाए,वसीम जाफर ने कहा- कमेटी के खराब व्यवहार के कारण कोहली ने टेस्ट से संन्यास लिया

स्पोर्ट डेस्क। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने विराट

कोहली के टेस्ट से संन्यास के लिए अजीत अगरकर की सिलेक्शन कमेटी को जिम्मेदार ठहराया है। जाफर ने कहा कि कोहली चयन पैनल के व्यवहार से नाराज थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोहली इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहे थे और अधिक टेस्ट खेल सकते थे। भारत के दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पिछले साल एक हफ्ते के भीतर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। इसके बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड के पांच टेस्ट की सीरीज के लिए जाना था। विराट और टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे- वसीम जाफर:- जाफर ने अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति पर कोहली के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया। जाफर ने कहा, 'ऐसा लगा कि विराट के साथ जिस तरह व्यवहार किया गया, उससे वह थोड़े नाराज थे।' उन्होंने कहा, 'विराट जैसा खिलाड़ी दर्शकों को मैदान तक लाता है। उनके बहुत ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वे निश्चित तौर पर और टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे। जब तक हम विराट के मुंह से नहीं सुनेंगे, तब तक पता नहीं चलेगा।' इससे पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कोहली के रिटायरमेंट पर कहा था- 'कोहली लगातार सार्वजनिक टीका-टिप्पणी से मानसिक रूप से थक चुके थे।' टेस्ट में कई बड़े रिकॉर्ड के करीब थे कोहली:- कोहली 125 टेस्ट मैच पूरे करने से सिर्फ दो मैच दूर थे। ऐसा करने पर वह टेस्ट मैचों की संख्या के मामले में महान सुनील

गावस्कर की बराबरी कर लेते। कोहली टेस्ट में 10 हजार रन पूरे करने से भी केवल 770 रन दूर थे। यह उपलब्धि हासिल करने पर वह गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बाद ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बन जाते। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 190 रन बना सके थे कोहली:- कोहली ने 2025 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के लिए अपनी आखिरी टेस्ट सीरीज खेली थी। उन्होंने उस सीरीज के पांच टेस्ट मैचों में 23.75 की औसत से सिर्फ 190 रन बनाए थे।

पाक टी-20 में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीता,श्रीलंका को 82 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

स्पोर्ट डेस्क। पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की

अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है। पाकिस्तान ने रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 215 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सर्वोच्च स्कोर 232/6 है, जो उसने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान ने 11 रन देकर 3 विकेट लिए। इससे पहले माज सदाकत ने 51 गेंदों पर 96 और कप्तान साहिबजादा फरहान ने 73 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को कैच छूटने का फायदा मिला। कैच छूटने का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने उठाया फायदा:-श्रीलंका की खराब फील्डिंग का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। कप्तान साहिबजादा फरहान जब 11 रन पर थे, तब सिनेथ जयवर्धने ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। इससे पहले बिनुरा फर्नांडो के ओवर में महेश तीक्ष्णा ने भी उनका मुश्किल कैच टपकाया था। दो जीवनदान मिलने के बाद फरहान ने 5 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 73 रन बनाए। 15वें ओवर में दासुन शनाका की गेंद पर महेश तीक्ष्णा ने सीमा रेखा के पास उनका कैच पकड़ा। माज सदाकत 4 रन से शतक चूकेः- कैरेबियन प्रीमियर लीग में लगातार दो शतक लगाने वाले बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज माज सदाकत ने अपनी फॉर्म जारी रखी। 44 रन के निजी स्कोर पर नुवान तुषारा ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया था। सदाकत ने 51 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 96 रन बनाए। पारी की आखिरी गेंद पर ईशान मलिंगा की गेंद पर डीप कवर में कैच आउट होने से वह अपने पहले टी20 इंटरनेशनल शतक से चूक गए। सदाकत ने कहा, 'मैं अपनी फॉर्म का पूरा फायदा उठाना चाहता था। मुझे खुद पर भरोसा था। मैं सकारात्मक इरादे से बल्लेबाजी करना और सही गेंदों पर बाउंड्री लगाना चाहता था।' मोहम्मद इमरान ने 11 रन देकर लिए 3 विकेटः- 216 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज सलमान मिर्जा ने पहले ही ओवर में लहिरु उदारा को आउट कर दिया। इसके बाद अपना दूसरा टी-20 इंटरनेशनल खेल रहे मोहम्मद इमरान ने स्विंग गेंदबाजी से श्रीलंका के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। इमरान ने 4 ओवर में 11 रन देकर सिनेथ जयवर्धने (22), कप्तान कुसल मेंडिस (9) और सहन अराचिगे (0) के विकेट लिए। श्रीलंका ने 8वें ओवर तक 49 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे और इसके बाद टीम संभल नहीं सकी। श्रीलंका की ओर से महेश तीक्ष्णा ने 26 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए, जबकि चमिंडु विक्रमासिंघे ने 24 गेंदों पर 29 रन की पारी खेली। श्रीलंकाई कप्तान ने कहा- हम उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए:- श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस ने हार के बाद कहा कि बल्लेबाजों को, उनमें खुद भी शामिल हैं, जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा, 'यह बैटिंग के लिए अच्छी पिच थी। हमें कम से कम 200 रन बनाने चाहिए थे।' मेंडिस ने कहा- 'पिछले कुछ टूर्नामेंट में हमारी फील्डिंग अच्छी रही थी, लेकिन इस सीरीज के दोनों मैचों

में हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके।' 13 अक्टूबर को तीसरा टी-20, फिर वनडे ट्राई-सीरीजः- पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच सीरीज का तीसरा और आखिरी टी20 इंटरनेशनल मंगलवार को रावलपिंडी में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें इंग्लैंड के साथ वनडे ट्राई-सीरीज में हिस्सा लेंगी। यह सीरीज अगले रविवार से शुरू होगी।

हर एलर्जी मामूली नहीं-जान भी जा सकती है, डॉक्टर से जानें क्या है एनाफिलैक्सिस, एलर्जी है तो ये इंजेक्शन साथ रखें

नयी दिल्ली। 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ' के मुताबिक, दुनिया में लगभग 20-30फीसदी लोगों को कभी-न-कभी एलर्जी की समस्या होती है। इसमें आमतौर पर छींक,

खुजली या आंखों से पानी आने जैसे लक्षण दिखते हैं। लेकिन कुछ लोगों में यही एलर्जी अचानक 'एनाफिलैक्सिस' का कारण बन सकती है। एनाफिलैक्सिस एक गंभीर एलर्जिक रिएक्शन है। इसमें अचानक ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। कुछ मामलों में ऑर्गन फेलियर भी हो सकता है। 'द जर्नल ऑफ एलर्जी एंड क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, अमेरिका में हर 100 में से 1-5 लोगों को कभी-न-कभी एनाफिलैक्सिस हुआ है। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में एनाफिलैक्सिस की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-यह शरीर को कैसे प्रभावित करता है? एनाफिलैक्सिस से कैसे बचा जा सकता है? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. रजत गुप्ता, डायरेक्टर, क्रिटिकल केयर, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- एनाफिलैक्सिस क्या है? जवाब- नीचे पॉइंटर्स से समझिए- एनाफिलैक्सिस एक तरह की एलर्जी ही है, लेकिन यह उसका थोड़ा गंभीर रूप है। यह कुछ फूड आइटम्स, दवाओं या कीड़े के डंक से ट्रिगर हो सकता है। इसमें शरीर में बहुत तेजी से रिएक्शन होता है। एनाफिलैक्सिस में कुछ ही मिनटों में हालत गंभीर हो सकती है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है। इसलिए तुरंत इलाज की जरूरत होती है। सवाल- यह सामान्य एलर्जी से कैसे अलग है?जवाब- सामान्य एलर्जी और एनाफिलैक्सिस में बड़ा फर्क इसके लक्षणों की गंभीरता का है। पॉइंटर्स से समझिए- सामान्य एलर्जी इसमें छींक, खुजली, आंखों से पानी या स्किन रैशेज जैसे हल्के लक्षण दिखते हैं। इसके लक्षण अक्सर शरीर के एक हिस्से तक सीमित रहते हैं। यह आमतौर पर जानलेवा नहीं होती है।एनाफिलैक्सिस इसमें रिएक्शन तेजी से बढ़ता है और शरीर के कई अंगों को एक साथ प्रभावित कर सकता है। इसमें रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम्स, गले में सूजन, लो ब्लड प्रेशर और बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। एनाफिलैक्सिस जानलेवा हो सकता है। सवाल- शरीर में एनाफिलैक्सिस होने पर क्या होता है? जवाब- एनाफिलैक्सिस में इम्यून सिस्टम अचानक ओवररिएक्ट करता है। इसको ऐसे समझते हैं- शरीर किसी सामान्य चीज को भी बड़ा खतरा मान लेता है।इसके जवाब में इम्यून सिस्टम कुछ केमिकल्स रिलीज करता है। इनमें हिस्टामिन सबसे अहम होता है। हिस्टामिन के असर से ब्लड वेसल्स रिलैक्स होकर फैल जाती हैं। इससे ब्लड प्रेशर अचानक कम होता है, जिससे बॉडी ऑर्गन्स तक ब्लड की सप्लाई कम हो जाती है। स्किन पर तुरंत असर दिख सकता है। खुजली, रेडनेस और रैशेज हो सकते हैं। चेहरे, होंठ और जीभ में सूजन आ सकती है। एनाफिलैक्सिस में इम्यून सिस्टम अचानक ओवररिएक्ट करता है और केमिकल्स रिलीज करता है। इससे ब्लड प्रेशर गिरता है, रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट सिकुड़ता है और सूजन बढ़ती है। समय पर इलाज न मिले तो यह जानलेवा हो सकता है। सवाल- एनाफिलैक्सिस कितनी तेजी से फैलता है? जवाब- इसके लक्षण 5-30 मिनट के भीतर शुरू होते हैं और कुछ ही मिनटों में गंभीर हो जाते हैं। सवाल- क्या हर एलर्जी एनाफिलैक्सिस में बदल सकती है? जवाब- नहीं, ऐसा नहीं होता है। हालांकि, कुछ लोगों में एलर्जी एनाफिलैक्सिस का रूप ले सकती है। इसलिए एलर्जी के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर एलर्जी के साथ- सांस लेने में दिक्कत हो चेहरे या गले में सूजन हो चक्कर आए बेहोशी आए तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। सवाल- किन चीजों से एनाफिलैक्सिस हो सकता है? जवाब- एनाफिलैक्सिस आमतौर पर उन चीजों से ट्रिगर होता है, जिनसे शरीर को एलर्जी होती है। ये ट्रिगर्स हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन कुछ कॉमन कारण होते हैं।सवाल- क्या रोजमर्रा का खाना भी ट्रिगर बन सकता है? जवाब- हां, यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति को किस चीज से एलर्जी है। कुछ लोगों के लिए- दूध, अंडा, मूंगफली, ट्री नट्स गेहूं, सोया या सीफूड जैसे कॉमन फूड आइटम्स भी खतरनाक साबित हो सकते हैं। जो चीज आमतौर पर सेफ मानी जाती है, वही किसी एलर्जिक व्यक्ति के लिए रिस्की बन सकती है। सवाल- क्या दवाओं से भी एनाफिलैक्सिस हो सकता है? जवाब- हां, कुछ दवाएं भी एनाफिलैक्सिस ट्रिगर कर सकती हैं। सबसे ज्यादा रिस्क कुछ एंटीबायोटिक्स से होता है। जैसे- पेनिसिलिन ग्रुप की दवाएं। पेन किलर्स । कुछ लोगों में वैक्सीन या एनेस्थीसिया से भी रिएक्शन हो सकता है। इसलिए अगर किसी दवा से पहले कभी एलर्जी हुई हो तो डॉक्टर को जरूर बताएं। सवाल- क्या ये किसी भी व्यक्ति को हो सकता है? जवाब- हां, एनाफिलैक्सिस किसी भी व्यक्ति को हो सकता है। हालांकि इसका रिस्क उन्हें ज्यादा होता है, जिन्हें पहले से- फूड एलर्जी है। दवा से एलर्जी है। अस्थमा है। कुछ मामलों में, किसी व्यक्ति को पहले कभी कोई एलर्जी न हुई हो, फिर भी गंभीर रिएक्शन हो सकता है। सवाल- एनाफिलैक्सिस के शुरुआती संकेत क्या हैं?जवाब- एनाफिलैक्सिस के शुरुआती संकेत हल्के हो सकते हैं, लेकिन ये तेजी से गंभीर लक्षणों में बदल सकते हैं। कुछ संकेत गंभीर स्थिति का इशारा करते हैं। इसका मतलब है कि तुरंत मेडिकल हेल्प लेना जरूरी है। सवाल- एनाफिलैक्सिस कब जानलेवा हो सकता है? जवाब- इन स्थितियों में एनाफिलैक्सिस जानलेवा हो सकता है- जब सांस लेने में गंभीर दिक्कत होने लगे। जब गले और सांस की नली में ज्यादा सूजन आ जाए और एयरवे सिकुड़ जाए। जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने लगे। जब ब्लड प्रेशर अचानक बहुत ज्यादा गिर जाए। जब ब्रेन, हार्ट और दूसरे अंगों तक पर्याप्त खून न पहुंच पाए। जब व्यक्ति को चक्कर आने लगें या वह बेहोश हो जाए। जब इलाज मिलने में देरी हो जाए। जब मरीज 'एनाफिलैक्टिक शॉक' में चला जाए, जो कि एक मेडिकल इमरजेंसी है। सवाल- एनाफिलैक्सिस कैसे डायग्नोस किया जाता है? जवाब- इसका डायग्नोसिस मुख्य रूप से लक्षणों और टाइमिंग के आधार पर किया जाता है। डॉक्टर देखते हैं कि एलर्जन के संपर्क के बाद कितनी तेजी से रिएक्शन हुआ। अगर कुछ मिनटों से एक घंटे के भीतर स्किन, सांस और हार्ट से जुड़े लक्षण एक साथ दिखें तो एनाफिलैक्सिस हो सकता है। ब्लड प्रेशर अचानक कम होना भी एक अहम संकेत होता है। यह बताता है कि रिएक्शन गंभीर है।सवाल- एनाफिलैक्सिस का ट्रीटमेंट क्या है? जवाब- नीचे पॉइंटर्स में देखें- एनाफिलैक्सिस का पहला और सबसे जरूरी इलाज एपिनेफ्रिन (एड्रेनालिन) इंजेक्शन है। जिन लोगों को गंभीर एलर्जी का रिस्क होता है, डॉक्टर उन्हें एपिनेफ्रिन ऑटो-इंजेक्टर साथ रखने की सलाह दे सकते हैं। गंभीर एलर्जिक रिएक्शन के लक्षण दिखते ही यह इंजेक्शन जांघ (थाई) की मांसपेशी में लगाया जाता है। यह दवा तेजी से असर करती है और सांस लेने में दिक्कत, सूजन और लो ब्लड प्रेशर जैसे लक्षणों को कंट्रोल करने में मदद करती है। इंजेक्शन लगाने के तुरंत बाद इमरजेंसी मेडिकल हेल्प जरूरी है। मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाना चाहिए। इलाज के बाद भी कुछ समय तक मेडिकल निगरानी जरूरी है, क्योंकि कुछ मामलों में लक्षण दोबारा लौट सकते हैं।एपिनेफ्रिन (एड्रेनालिन) इंजेक्शन बिना डॉक्टर की सलाह के यूज नहीं करना चाहिए। इसे अपने पास तभी रखें, जब डॉक्टर ने आपको प्रिस्क्राइब किया हो।सवाल- क्या एनाफिलैक्सिस का घरेलू इलाज संभव है? जवाब- नहीं, एनाफिलैक्सिस का कोई घरेलू इलाज नहीं है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है। देरी खतरनाक हो सकती है। सवाल- एनाफिलैक्सिस से बचाव के लिए क्या करें? जवाब- एनाफिलैक्सिस से पूरी तरह बचाव संभव नहीं है, लेकिन कुछ सावधानियां अपनाकर एलर्जी का रिस्क कम किया जा सकता है। इंग्रीडिएंट्स डिटेल चेक करें। डॉक्टर को अपनी एलर्जी बताएं तेज परफ्यूम यूज न करें। एपिनेफ्रिन हमेशा बच्चों के स्कूल को भी एलर्जी की जानकारी दें। फूड लेबल ध्यान से पढ़ें। रेस्टोरेंट में भी इंग्रीडिएंट्स पूछें। घास पर नंगे पैर न चले। ट्रिगर पॉट्स से परिवार दोस्तों को एलजी की जानकारी दें। एनाफिलैक्सिस एक जानलेवा एलर्जिक कंडीशन है। थोड़ी सी जागरूकता और तैयारी इस गंभीर स्थिति के रिस्क को काफी हद तक कम कर सकती है।

ठंड से बचने को सांप को ताप चाहिए होता हैं, बढ़ते हैं सांप काटने के केस,सांप काटे तो तुरंत करें ये 6 काम, न करें ये गलतियां

जयपुर। पिछले दिनों महाराष्ट्र पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट ने सांप के काटने (स्नेक बाइट) को 'नोटिफाएबल डिजीज' घोषित किया। यानी अब स्वास्थ्य विभाग को स्नेक बाइट के मामलों और इससे होने वाली मौतों की जानकारी देना अनिवार्य होगा। भारत में हर साल लाखों लोग सर्पदंश का शिकार होते हैं। मानसून के दौरान ये मामले और बढ़ जाते हैं। भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, देश में सालाना 30 से 40 लाख स्नेक बाइट के मामले सामने आते हैं। इनमें 50 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। दुनिया भर में सर्पदंश से होने वाली कुल मौतों में आधे से ज्यादा मौत अकेले भारत में होती है। चिंता की बात यह है कि हर 10 में से केवल 3 पीड़ित ही अस्पताल तक पहुंच पाते हैं। इसलिए स्नेक बाइट की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- सांप काटने पर कौन-से लक्षण दिखते हैं? सांप काटने पर तुरंत क्या करना चाहिए? स्नेक बाइट से बचाव के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? और विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अजय नायर, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मानसून में स्नेक बाइट के मामले क्यों बढ़ जाते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- बारिश में सांप के बिलों में पानी भर जाता है। इससे वे बाहर निकल आते हैं। सूखी और सुरक्षित जगह की तलाश में सांप घरों, खेतों और गोदामों तक पहुंच जाते हैं। मानसून में खेती-बाड़ी का काम बढ़ने से लोगों का खेतों में आना-जाना ज्यादा होता है।इस दौरान घास और झाड़ियां घनी हो जाती हैं, जिनमें सांप आसानी से छिप जाते हैं। बारिश में चूहे और मेढक ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में शिकार की तलाश में सांप इंसानी बस्तियों में पहुंच जाते हैं। कई बार गलती से लोगों का पैर सांप पर पड़ जाता है। बारिश में सांपों के बिलों या छिपने वाली जगहों में पानी भर जाता है। इसलिए सूखी और सुरक्षित जगह की तलाश में सांप बाहर निकल आते हैं। इसलिए इस मौसम में स्नेक बाइट की घटनाएं बढ़ जाती हैं। सवाल- सांप काटने पर क्या लक्षण दिखते हैं? कब तुरंत हॉस्पिटल ले जाना जरूरी होता है? जवाब- स्नेकबाइट के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि सांप जहरीला था या नहीं। लेकिन कुछ संकेत ऐसे होते हैं, जिनमें तुरंत हॉस्पिटल ले जाना बेहद जरूरी है। सवाल- अगर सांप काट ले तो सबसे पहले क्या करना चाहिए? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- 1. मरीज को शांत, स्थिर रखें- घबराहट से हार्ट-बीट बढ़ती है और जहर तेजी से फैलता है। मरीज को भरोसा दिलाएं और आराम से सांस लेने को कहें। 2. चलने-फिरने न दें-पेशेंट को तुरंत

बैठाएं या सीधा लिटाएं। बाइट वाले अंग को कम-से-कम हिलने दें। 3. हाथ या पैर को सहारा दें-हाथ या पैर को आराम की स्थिति में रखें। जरूरत हो तो लकड़ी या किसी सख्त चीज का सपोर्ट दें। 4. कसे हुए कपड़े-सामान हटा दें-अंगूठी, चूड़ी, कड़ा, जूते आदि तुरंत निकाल दें। सूजन बढ़ने पर ये चीजें ब्लड फ्लो रोक सकती हैं। 5. तुरंत अस्पताल ले जाएं-एंटी-वेनम इंजेक्शन ही सांप के जहर का मुख्य इलाज है। इलाज में देरी से हालत गंभीर हो सकती है। सांप काटने पर फर्स्ट एडः- मरीज को शांत रखें। उसे तुरंत बिठाएं या लिटाएं। तुरंत अस्पताल लेकर जाएं। बिल्कुल मूवमेंट न करने दें। अंगूठी, चूड़ी, कड़ा वगैरह निकाल दें। बाइट वाले अंग को स्थिर रखें। सवाल- सांप काटने पर डॉक्टर क्या ट्रीटमेंट देते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पेशेंट को तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती किया जाता है। उसकी सांस, हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर चेक किया जाता है। डॉक्टर यह पता लगाते हैं कि जहर का असर कितना हुआ है। जरूरत पर 'एंटी-स्नेक वेनम' (एएसवी) इंजेक्शन देते हैं। दर्द, सूजन, उल्टी जैसी समस्याओं के लिए अलग-अलग दवाइयां देते हैं। सांस लेने में दिक्कत होने पर ऑक्सीजन सपोर्ट देते हैं। मरीज को कुछ समय तक निगरानी में रखा जाता है। सवाल- सांप काटने पर डॉक्टर सांप की फोटो क्लिक करने को क्यों कहते हैं? जवाब- इससे सांप की प्रजाति समझने व उसके जहर का अंदाजा लगाने और इलाज में मदद मिलती है। सवाल- सांप काटने पर किस अस्पताल में जाना चाहिए? जवाब- ऐसे अस्पताल ले जाएं, जहां इमरजेंसी, आईसीयू, ऑक्सीजन और एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध हो। लक्षण गंभीर हों तो बड़े ट्रॉमा सेंटर या मल्टीस्पेशिएलिटी अस्पताल जाएं। अस्पताल दूर हो तो पहले नजदीकी PHC/CHC पहुंचें। सवाल- सांप काटने पर कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- इस दौरान की गई गलतियों से हालत बिगड़ सकती है। इसलिए इलाज में देरी करने या घरेलू उपाय अपनाने से बचें। याद रखें, स्नेक बाइट का सही इलाज अस्पताल में ही संभव है। सांप काटने पर न करें ये गलतियांः- रस्सी/टूर्निकेट न बांधें। मिट्टी या कोई लेप न लगाएं। घाव को काटें नहीं। बर्फ, एंटीसेप्टिक न लगाएं। जहर को चूसें नहीं। मरीज को चलने- दौड़ने न दें। खुद से एंटी-वेनम न लगाएं। झाड़-फूंक न करें। घरेलू नुस्खे न आजमाएं। बिना डॉक्टरी सलाह दवा न दें। सवाल- बारिश के मौसम में किन जगहों पर सांप ज्यादा निकलते हैं? जवाब- ऐसी जगहों पर सांप ज्यादा निकलते हैं- खेत, घास और झाड़ियां। पानी भरे इलाके, नालों और तालाबों के पास। लकड़ी, ईंट, पत्थर या कबाड़ के ढेर के पास। अनाज गोदाम और चूहों वाली जगहें। पुराने जूते, कपड़ों या सामान के ढेर। घरों के आसपास की दरारें और अंधेरी जगहें। गांवों में कच्चे घर, पशुशाला और भूसे के ढेर। क्या करें? बच्चों को तुरंत दूर करें। सांप से सुरक्षित दूरी बनाएं। नजर रखें, पर पास न जाएं। कमरे का दरवाजा बंद कर दें। बाहर निकलने का रास्ता छोड़ें। स्नेक रेस्क्यूअर को बुलाएं। रात में टॉर्च का इस्तेमाल करें। पालतू जानवरों को सेफ रखें। क्या न करें? सांप पकड़ने की कोशिश न करें। सांप को छूने- मारने न जाएं। डंडा, पत्थर या आग से हमला न करें। केरोसिन या केमिकल न डालें। धुआं से भगाने की कोशिश न करें। फोटो या वीडियो न बनाएं। ये न मानें कि सांप मर चुका है। घबराकर भीड़ इक्ट्ठा न करें। सवाल- मानसून में घर के अंदर सांप-बिच्छू आने से कैसे रोकें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- घर के आसपास की घास-झाड़ियां साफ रखें। कबाड़, लकड़ी और ईंटों का ढेर न लगाएं। दीवारों, दरवाजों और पाइपों के आसपास की दरारें बंद करें। घर में चूहे न आने दें। दरवाजों के नीचे गैप स्टॉपर लगाएं। घर के आसपास पानी जमा न होने दें। किचन और स्टोर रूम साफ व सूखे रखें। सांप या बिच्छू दिखे तो दूरी बनाए रखें और रेस्क्यू टीम को सूचना दें। सवाल- क्या कोई ऐसा तरीका है, जिससे जहरीले और गैर-जहरीले सांप में फर्क पता चल सके? जवाब- नहीं, आम लोगों के लिए सिर्फ देखकर यह तय करना मुश्किल होता है कि सांप जहरीला है या नहीं। सिर का आकार, रंग, आंखों की पुतली या शरीर के निशान जैसे पारंपरिक तरीके हमेशा सही नहीं होते। एक ही प्रजाति के सांपों का रंग और आकार भी अलग-अलग हो सकता है। सवाल- अगर जंगल या खेतों के पास रहते हैं तो सांपों से बचाव के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- जंगल, खेत या ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को खास सावधानी बरतनी चाहिए। इसके लिए- खेत, घर और रास्तों के आसपास की घास-झाड़ियां साफ रखें। रात में बाहर निकलें तो टॉर्च और जूते का इस्तेमाल करें। किसी बिल, पत्थर, लकड़ी या भूसे के ढेर में हाथ न डालें। फर्श पर सीधे सोने से बचें और मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। जूते और कपड़े पहनने से पहले उन्हें झाड़कर देख लें। स्नेक बाइट से जुड़े जरूरी सवाल-जवाब-सवाल- घर में मौजूद कौन-सी चीजें सांपों को आकर्षित करती हैं? इनका फेवरेट प्लेस क्या है? जवाब- चूहे, छिपकलियां और मेंढक सांपों को आकर्षित करते हैं।

अच्छे इनोवेटर्स आम चीजों पर ध्यान देकर इतिहास रचते हैं!

कई बार हमारे युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के पैरेंट्स को अपने साथियों से ऐसे शब्द सुनकर गर्व महसूस हुआ होगा कि 'वाह, आपका

बच्चा तो ब्रिलियंट होगा! उन इंटरव्यूज में सफल होना आसान नहीं!' या फिर किटी पार्टी में महिलाएं कहती होंगी, 'अरे, अब तो उनकी लाइफ पूरी तरह से सेट है! यह बहुत बड़ी उपलब्धि है!' या फिर हाउसिंग सोसाइटी में रहने वाले परिचित लिफ्ट के भीतर टिप्पणी करते होंगे, 'आपको उन पर कितना गर्व होता होगा! वे ऐसी तकनीक पर काम कर रहे हैं, जिसका इस्तेमाल पूरी दुनिया हर दिन करती है।' इसके लिए हम सभी को उन महिला का आभारी होना चाहिए, जिन्होंने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित, आकर्षक वेतन वाले और सम्मानित पेशों में से एक बनाने में योगदान दिया। आइए, उनकी कहानी जानते हैं।1965 में वे गणित में पीएचडी करने की तैयारी कर रही थीं। तभी उनके पति की नजर एमआईटी इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी के एक विज्ञापन पर पड़ी। संस्थान ऐसे लोगों की तलाश में था, जो मनुष्य को चांद पर भेजने के लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर विकसित कर सकें। उन दिनों कोड लिखने को वास्तविक इंजीनियरिंग के बजाय अक्सर मामूली काम समझा जाता था। इसके बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई की योजना छोड़ दी और अपोलो परियोजना की पहली और एकमात्र महिला प्रोग्रामर बन गईं। इस अवधि में वे एक सिंगल-मदर के रूप में बेटी लॉरेन को अपने साथ काम पर ले जाया करती थीं। एक रात लॉरेन एस्ट्रोनॉट बनकर खेल रही थी। मार्गरेट ने उसे उस हाईवेयर सिम्युलेटर पर खेलने दिया, जिस पर वे काम कर रही थीं। खेलते-खेलते लॉरेन ने गलती से कुछ बटन दबा दिए और नेविगेशन से जुड़ा सारा डेटा मिट गया। लेकिन मार्गरेट को इस पर गुस्सा नहीं आया। उन्हें एहसास हुआ कि कोई अंतरिक्ष यात्री भी अनजाने में ऐसी ही गलती कर सकता है। अब सीधे 20 जुलाई, 1969 पर आते हैं। अपोलो-11 मिशन पर गए तीन अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री चांद की सतह पर कदम रखने वाले पहले मनुष्य बनने से कुछ ही मिनट दूर थे। (इनमें 2 चांद की सतह पर उतरे, 1 लूनर ऑर्बिट में मौजूद थे), तभी उनके लूनर मॉड्यूल में अलार्म बजने लगे।इससे उस ऐतिहासिक क्षण के विफल हो जाने का खतरा पैदा हो गया, जबकि दुनिया भर में उसका सीधा प्रसारण चल रहा था। चांद की सतह पर उतरते समय लूनर मॉड्यूल 'ईगल' को अपनी ऊंचाई और गति की गणना करने के लिए केवल लैंडिंग रडार की जरूरत थी। उसे रेंदेवू रडार की जरूरत नहीं थी।इस रडार का इस्तेमाल ऊपर की कक्षा में चक्कर लगा रहे कमांड मॉड्यूल की स्थिति पर नजर रखने के लिए किया जाता था। प्रोग्रामिंग क्षेत्र की पुरोधा मार्गरेट हैमिल्टन इस संकट की आशंका को पहले ही भांप चुकी थीं। उन्हें इसका सबक अपनी बेटी की उस गलती से मिला था। यही कारण था कि हैमिल्टन के सॉफ्टवेयर ने इस गलती को दुरुस्त कर लैंडिंग को निर्बाध होने दिया। जब मिशन कमांडर नील आर्मस्ट्रॉन्ग ने चांद से वह प्रसिद्ध घोषणा की कि 'द ईगल हैज़ लैंडेड', तो कई हाथ तालियां बजाने के लिए जरूर उठे, लेकिन अनेक निगाहें मार्गरेट हैमिल्टन की ओर भी मुड़ गईं। 2016 में जब बराक ओबामा ने मार्गरेट को अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से सम्मानित किया, तो उन्होंने कहा- '20 जुलाई, 1969 को हमारे अंतरिक्ष यात्रियों के पास ज्यादा समय नहीं था। लेकिन शुक्र है कि उनके पास मार्गरेट हैमिल्टन थीं!' उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के काम की ओर लोगों का ध्यान खींचा। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'मैंने सॉफ्टवेयर को एक वैध इंजीनियरिंग क्षेत्र के रूप में मान्यता दिलाने के लिए संघर्ष किया, ताकि सॉफ्टवेयर और उसे बनाने वालों को उनका उचित सम्मान मिल सके।' उन्होंने यह भी माना था कि जब 'सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग' शब्द का इस्तेमाल शुरू किया, तो लोग उनका मजाक उड़ाते थे। 30 सितम्बर, 2026 को 90 वर्ष की उम्र में मैसाचुसेट्स के कैंब्रिज स्थित एक अस्पताल में मार्गरेट का निधन हो गया। फंडा यह है कि रोजमर्रा की जिन चुनौतियों पर अक्सर किसी का ध्यान तक नहीं जाता, स्वे इनोवेटर्स उन्हें ही मानव प्रगति के ऐतिहासिक पड़ावों में बदल देते हैं। न भूलें कि एक मां की पैनी नजर और अथक समर्पण आधुनिक तकनीक के भविष्य को भी आकार दे सकते हैं।एन. रघुरामन

मिडलाइफ में होने वाली चीजों का असर वहीं तक सीमित नहीं रहता

मिडलाइफ के वर्षों (मोटे तौर पर 36-60 वर्ष) में आप अपने शरीर और दिमाग को कैसे ट्रीट करते हैं, उसका

व्यापक असर इस बात पर पड़ सकता है कि आगामी दशकों में आपकी उम्र कैसे बढ़ेगी। संक्षेप में कहें तो मिडलाइफ हेल्थ आपके भविष्य की एक झलक है। मिडिल एज में आप जो बीज बोते हैं, जैसे एक्सरसाइज, हेल्दी खाना और अच्छा स्लीपिंग पैटर्न, वो आपके लंबे जीने में अहम भूमिका निभाते हैं। बुजुर्ग होने को लेकर आपकी धारणाएं महज साइकोलॉजिकल नहीं होती, वे शरीर में फिजिकली दिखती भी हैं। जी हां, इसके वैज्ञानिक प्रमाण बढ़ रहे हैं कि मिडलाइफ में हेल्थ मार्कर्स आगामी जीवन की सेहत का अनुमान लगाने के लिए सच में बहुत कारगर होते हैं, बजाय इसके कि इन्हीं मार्कर्स को तब मापा जाए, जब आप बुजुर्ग हो चुके हों। इसके अलावा, मिडिल एज में रहे हमारे हेल्थ-इंडिकेटर्स, लाइफस्टाइल और माइंडसेट एक अहम बुनियाद की तरह काम करते हैं, जो सीधे तौर पर हमारी आगे की जिंदगी की हेल्थ, कॉग्निशन और लॉन्जेविटी को प्रभावित करती है। आपके भविष्य की फिजिकल और कॉग्निटिव फंक्शनिंग का काफी हद तक अनुमान लगाने वाले प्रमुख मिडलाइफ इंडीकेटर्स में जो चीजें शामिल हैं, वे हैं- ब्लड प्रेशर और कॉलेस्ट्रॉल लेवल, लंग फंक्शन और फिजिकल फिटनेस, ग्लूकोज लेवल और वजन तथा नींद की गुणवत्ता। यह बात हम भारतीयों के लिए अब ज्यादा महत्वपूर्ण क्यों है? क्योंकि भारत की आबादी अभी भी अपेक्षाकृत युवा है और यहां औसत उम्र करीब 29.2 वर्ष है। देश की आबादी का विशाल हिस्सा- 65इ से ज्यादा- 40 से कम उम्र का है। ऐसा कौन कहता है? डॉ. मार्गी लैचमैन ने अपनी हालिया किताब 'प्राइमटाइम : अ न्यू विजन फॉर मिडलाइफ' में मिडिल-एज पॉपुलेशन पर हुई 30 साल की रिसर्च के आधार पर बताया है कि मिडलाइफ आपकी बाकी जिंदगी के लिए सबसे महत्वपूर्ण मोड़ क्यों है। वह क्या कहती हैं? डॉ. लैचमैन की रिसर्च बताती है कि जो लोग अपनी मिडलाइफ में नियंत्रण की मजबूत भावना और एजिंग को लेकर सकारात्मक नजरिया बनाए रखते हैं, उम्र बढ़ने के साथ उनकी कॉग्निटिव फंक्शनिंग और फिजिकल हेल्थ बेहतर रहती है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को मेंटेन रखने से लेकर लंग फंक्शन बेहतर रखने, ग्लूकोज लेवल, स्लीप क्वालिटी और वजन पर नियंत्रण रखने तक फिजिकल फिटनेस की निगरानी बनाए रखना सबसे जरूरी है। यह रिसर्च सेहत में सुधार के लिए 'मिडटर्म' अपॉर्च्युनिटी की बात भी करती है। डॉ. लैचमैन कहती हैं कि 'मिडलाइफ बदलाव करने का सबसे सही समय है। इससे न सिर्फ वर्तमान, बल्कि भविष्य में भी आपको फायदा होगा।' इसे समझाने के लिए वे पढ़ाई का उदाहरण देती हैं। उनके मुताबिक मिडलाइफ कॉलेज के मिडटर्म की तरह है। यह ऐसा मोड़ है, जहां आप आकलन कर सकते हैं कि क्या चीज कारगर है और क्या नहीं। चूंकि आपके पास अब भी 'आधा सेमेस्टर' यानी जिंदगी के कई दशक हाथ में हैं, इसलिए मिडलाइफ में शुरू किए गए लाइफस्टाइल और बिहेवियरल इंटरवेंशन भविष्य में आपकी सेहत को बहुत बेहतर करने के लिए जरूरी आधार देते हैं। मिडलाइफ जीवन की ढलान या न टाले जा सकने वाले 'क्राइसिस' नहीं, बल्कि 'प्राइम टाइम' है- यानी भविष्य की रक्षा करने के लिए सोचे-समझे निर्णय करने का सबसे अच्छा समय। मिडलाइफ की छोटी-छोटी अच्छी आदतें कौन सी हैं? विशेषज्ञों ने बहुत-सी आदतें बताई हैं, उस लंबी सूची में से कुछ यहां पेश हैं। दोस्त के साथ रोजमर्रा के काम निपटाएं : अकसर लोग सामाजिक मेलजोल को वेलनेस इंटरवेंशन नहीं मानते। मिडलाइफ की हकीकत यह है कि किसी व्यस्त दोस्त के साथ समय मिलाकर कोई काम करना तो दूर, खुद के लिए समय निकालना भी मुश्किल होता है। वॉक या वर्कआउट के लिए किसी दोस्त को जॉइन करें या उसके साथ किराना खरीदने ही चले जाएं।फर्मेंटेड फूड खाएं : मत भूलिए कि आपके शरीर में खरबों सूक्ष्मजीव, यानी माइक्रोबायोम रहते हैं। इन माइक्रोबायोम की सेहत का संबंध आपकी हेल्दी एजिंग से है। यह इम्यून सिस्टम से गहराई से जुड़ा है और शरीर में इन्फ्लेमेशन को नियंत्रित करने में मदद करता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि उन जीवों की देखभाल के लिए उन्हें फर्मेंटेड फूड खिलाएं। विशेषज्ञ कहते हैं कि सीढ़ियां चढ़ने से लेकर रोज के खाने में कुछ प्रोटीन शामिल करने तक, रोजाना रात को एक ही समय पर सोने से लेकर गंभीर बीमारियों की फैमिली हिस्ट्री के बारे में अवेयर रहने और उनकी रोकथाम पर काम करने तक की आदतें अपनाएं, जो आपकी आगे की उम्र को बेहतर बनाएंगी। फंडा यह है कि मिडिल एज में आप अपनी देखभाल कैसे करते हैं, यह आपकी आगे की उम्र के लिए बहुत मायने रखता है। कुछ छोटी लेकिन अच्छी आदतें भी रिटायरमेंट की उम्र तक पहुंचने पर बड़ा फर्क ला सकती हैं। एन. रघुरामन

लंबे जीवन का सीक्रेट किससे जाना जाए?

यह सीक्रेट शायद दुनिया के सबसे उम्रदराज जीव से जान सकते हैं, जो 194 साल का है। आप अचंभित-से मुझसे पूछ रहे होंगे कि 'क्या?' ठहरिए। पहले मैं आपको 32 साल पीछे

ले चलता हूं। मैंने उसके बारे में तब जाना, जब मैं दक्षिण अफ्रीका के तत्कालीन राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला का इंटरव्यू करने के लिए वहां की सरकार का इनवाइटेड गेस्ट था। 1994 में इस जीव की उम्र 162 साल थी मुझे उसके बारे में कैसे पता चला? हम कुछ गेस्ट केपटाउन की मशहूर जगह 'केप ऑफ गुड होप' पर खड़े थे। यहां आप एक तरफ अटलांटिक महासागर, तो दूसरी ओर हिंद महासागर को छूकर महसूस कर सकते हैं। तभी हमने सेंट हेलेना जा रहे एक जहाज को देखा। सेंट हेलेना दक्षिण अटलांटिक महासागर में एक सुदूर ज्वालामुखीय द्वीप है, जो अफ्रीकी महाद्वीप के दक्षिणी तट से करीब 1950 किमी दूर है। इसी द्वीप पर यह सबसे उम्रदराज जीव 1882 से रह रहा है। उन दिनों वहां पहुंचने का एकमात्र साधन जहाज था, हालांकि आज जोहान्सबर्ग से शनिवार को एक वीकली फ्लाइट भी जाती है। मैं उससे मिलने जाने के लिए उत्सुक था। लेकिन उस इलाके में सख्त ब्रिटिश कॉलोनियल इमीग्रेशन कानून लागू थे, जिनके तहत गैर-कॉमनवेल्थ देशों और भारत समेत कुछ खास 'वीसा नेशनल' कॉमनवेल्थ देशों के नागरिकों को वीसा की जरूरत होती है। मेरे पास यह वीसा नहीं था तो मैं उससे मिलने नहीं जा सका। पिछले हफ्ते जब मैंने उसके 194 साल का होने की खबर सुनी तो मुझे उसकी कहानी याद आई। उसका नाम जोनाथन है और उसका जन्म 1832 में सेशेल्स में हुआ था। 1882 में उसे सेंट हेलेना के 33वें गवर्नर सर विलियम ग्रे-विल्सन के गिफ्ट के तौर पर यहां लाया गया। वह अब तक 28 गवर्नर देख चुका है। 2026 में वह 194 वर्ष का हो गया और वह एक विशाल कछुआ है। उसका वजन करीब 180 किलो है। वह अपना बाड़ा खुद से काफी कम उम्र के तीन विशाल कछुओं डेविड (56), एम्मा (56) और फ्रेडरिक (53) के साथ शेयर करता है।मोतियाबिंद के कारण जोनाथन अंधा हो चुका है और सूंघने की क्षमता भी पूरी तरह खो चुका है, लेकिन उसकी सुनने की क्षमता अब भी अच्छी है। वह अपने पशु चिकित्सक डॉ. जो हॉलिंस की आवाज पर मजबूती से प्रतिक्रिया देता है, जो उसे हाथ से खाना खिलाते हैं। अपनी प्रजाति की सामान्य उम्र से करीब एक सदी ज्यादा जी चुके जोनाथन की असाधारण उम्र ने हाल ही में वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम को उसके डीएनए का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उसके गाल की कोशिकाओं से नमूने लिए गए। 'साइंस एडवांसेज' में प्रकाशित अध्ययन में उसके जेनेटिक सीक्रेट का खुलासा किया गया है। जोनाथन में 287 ऐसे खास जीन वेरिएंट्स हैं, जो उम्र के बढ़ने से संबंधित सेलुलर डीग्रेडेशन से सक्रिय रूप से लड़ते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि उसके जीनोम में ऐसे खास और बेहद मजबूत वेरिएंट्स हैं, जो ट्यूमर को दबाने, क्षतिग्रस्त डीएनए को रिपेयर करने और इंसुलिन लेवल को सख्ती से रेगुलेट करने में सक्षम हैं। इसके उलट, इंसानों के सेलुलर रेप्लीकेशन में समय के साथ गंभीर त्रुटियां होने लगती हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि जोनाथन की कोशिकाओं में काफी कम उम्र के जीव की तरह जेनेटिक कंट्रोल बना हुआ है, जो इतनी ज्यादा उम्र में भी उसके शरीर को असाधारण रूप से फिट रखता है। वैज्ञानिक फिलहाल यह समझने के लिए उसके जेनेटिक मैप का विश्लेषण कर रहे हैं कि क्या जोनाथन को युवा बनाए रखने वाले बायोलॉजिकल मैकेनिज्म का इस्तेमाल इंसानों के माइटोकॉन्ड्रियल हेल्थ ट्रीटमेंट और एंटी-एजिंग थेरेपियों के लिए किया जा सकता है या नहीं। उम्र बढ़ना हमारी लगभग हर क्रोनिक बीमारी के लिए सबसे बड़ा रिस्क फैक्टर है। प्रकृति ने पहले ही उम्र बढ़ने की गुत्थी को बेहद उल्लेखनीय तरीकों से सुलझा दिया है और जोनाथन का जीनोम सेलुलर-रेसिलियंस का ब्लूप्रिंट पेश करता है। उम्र बढ़ने के साथ हमारा डीएनए डैमेज होता जाता है। इसे सही करने के लिए हमारे शरीर में रिपेयर सिस्टम्स हैं, लेकिन वे समय के साथ कम कारगर हो जाते हैं।इसके उलट, जोनाथन अपने जेनेटिक कोड के महत्वपूर्ण हिस्सों को बेहतर बनाए रखने में अनुकूलित हो गया है। रिसर्चर्स ने उसके डीएनए में जीन के ऐसे खास रूप पाए हैं, जो क्षतिग्रस्त डीएनए की मरम्मत से जुड़े हैं।

फंडा यह है कि जब तक वैज्ञानिक जोनाथन के जीवन और उसके खानपान की बारीकियों को समझते हैं, तब तक हम इंसानों को लंबा जीने वाले अपने ग्रेट-ग्रैंड पैरेंट्स की लाइफस्टाइल की कुछ बातें सीखकर उन्हें अपनाना चाहिए, ताकि हम भी अपनी कुछ लॉन्जेविटी बढ़ा सकें। एन. रघुरामन

नई पीढ़ी को बताएं संबंधों का हमारी संस्कृति में क्या अर्थ है

कुछ बीमारियां ऐसी हैं, जिनके लक्षण दिखते नहीं। हेल्थ चेकअप की चर्चा इसीलिए होती है कि सावधान हो जाएं। इन दिनों एक चर्चा है स्पाउस-रिलेशनशिप हेल्थ की। यानी पति-पत्नी के संबंधों का स्वास्थ्य भी लगातार चेकअप-मोड में होना चाहिए। समझदार जोड़े अपने संबंधों के स्वास्थ्य का चेकअप करते रहते हैं। उसके प्रति सावधान, ईमानदार रहते हैं, क्योंकि यह रिश्ता एक-दूसरे के सपोर्ट सिस्टम पर चलता है। ज्यादातर पति-पत्नी शरीर और मन के सपोर्ट सिस्टम से जीते हैं। जबकि इसमें आत्मा का बहुत बड़ा रोल है। चूंकि जीवन शरीर से शुरू होकर शरीर पर खत्म हो जाता है, इसलिए तलाक की घटनाएं और बढ़ेंगी।हम तलाक को प्रोत्साहन न दें पर पूरा नकारें भी न। तलाकशुदा का समाज में आदर कम न हो।

लेकिन विवाह और पति-पत्नी के संबंधों की जो व्याख्या भारतीय संस्कृति में हुई है, उसकी जानकारी अब नई पीढ़ी को भरपूर दी जाए। अन्यथा दुष्परिणाम आने वाले 10-15 साल में सामने आएंगे। तब तक देर हो जाएगी।पं. विजयशंकर मेहता

पितृ शक्ति के स्रोत हैं तो नवरात्र शक्ति के सदुपयोग के दिन

आज हम रिश्तों की पूर्णता का दिवस मना रहे हैं, जिसे सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है। हम जिनका अंश हैं, वंश हैं, उनको स्मरण करने का यह दिन है। और इसी के साथ हम प्रवेश कर जाएंगे नवरात्र में। पितृ हमारी शक्ति का स्रोत हैं और नवरात्र शक्ति के सदुपयोग के

दिन हैं। संयोग से नवरात्रि के प्रथम दिन अग्रसेन जयंती है, जिन्होंने अपने पितरों के संबंध और अपनी शक्ति के सदुपयोग के नए मापदंड गढ़े। महाराजा अग्रसेन अपने-आप में एक विश्वविद्यालय हैं, जिसमें परंपरा और आधुनिकता की शिक्षा एक साथ चलती है। नवरात्रि में हम सीखते हैं कि प्राणों का भरपूर उपयोग कैसे किया जाए। योग में व्यक्त है कि जब हमारी सांस अंदर आती है तो उसमें ईश्वर विराजता है और जब बाहर जाती है तो ईश्वर में हम विलीन हो जाते हैं। विराजना और विलीन होना, ये दो शब्द समझें। प्राणों का सदुपयोग करिए। आती-जाती सांस के प्रति जागरूक हो जाएं तो हमारे शरीर के जो सात शक्ति केंद्र हैं, उनमें कंपन होगा और हमारे लिए यह नौ दिन सार्थक हो जाएंगे। पं. विजयशंकर मेहता

गलत जानकारियों से लड़ाई सही सूचनाओं से ही जीती जा सकती है

एक बुजुर्ग को मैसेज मिला- आपकी पेंशन बंद होने वाली है, तुरंत लिंक पर केवाईसी करें। घबराहट में उन्होंने लिंक खोला और देखते ही देखते उनके बैंक खाते से 40 हजार रुपए निकल गए। उनके हाथ में मोबाइल था, सूचना थी, पर सच नहीं था। आज हर हाथ में मोबाइल है, पर सही सूचनाएं कितनी हैं? यही बड़ा सवाल है। कभी सूचना सुविधा थी, आज जरूरत है। सांस की तरह अदृश्य, पर हर फैसले में मौजूद। मौसम का हाल हो या मंडी का भाव, बच्चे का दाखिला हो या पेंशन का नियम- हर कदम पर सूचना चाहिए। स्मार्टफोन ने सूचना जेब में ला दी, पर जेब में सूचनाओं का होना और हाथों में सही सूचनाओं का होना एक बात नहीं। हम सूचनाओं के अकाल से निकलकर उनकी बाढ़ में आ चुके हैं। यूनेस्को के विंडहोक प्लस 30 घोषणापत्र ने सूचना को पब्लिक गुड यानी लोकहित कहा है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 16.10.2 के तहत यूनेस्को वैश्विक निगरानी करता है। यूएन क्रॉनिकल (25 सितंबर 2025) के अनुसार आज 139 देशों में सूचना का अधिकार कानून है, जो 1990 में केवल 14 देशों में था। भारत में सूचना के अधिकार ने 2005 में नागरिकों को सवाल पूछने की ताकत दी। पर कानून होना और उसका सरल रूप में नागरिक तक पहुंचाना, अलग बातें हैं। भारत में 90 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स हैं। डिजिलॉकर, उमंग, जन-सूचना पोर्टलों ने फाइलों को

फोन तक पहुंचाया, यह उपलब्धि है। फिर भी कई पोर्टलों पर जानकारी ऐसी कानूनी भाषा में है, जो नागरिकों को समझ नहीं आती। हर बोर्ड अलग रास्ता बताए तो मंजिल तक पहुंचना कठिन है। चुनौती विश्वसनीयता की है। डिजिटल दुनिया में सूचना के साथ फर्जी सूचना-स्पैम का सैलाब बढ़ रहा है। ट्रूकॉलर इनसाइट्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत में 2025 में 4,168 करोड़ स्पैम कॉल और 12,903 करोड़ स्पैम मैसेज पहचाने गए- यानी रोज औसत करीब 47 करोड़ अवांछित कॉल-मैसेज। ऐसे में दूरसंचार विभाग के 'संचार साथी' जैसी विनियामक पहल और पीआईबी फैक्ट चेक जैसे तंत्र जरूरी तकनीकी कवच तो हैं, पर मैसेज फॉरवर्ड करने से पहले जांचना तो हमारा ही काम है। हर स्क्रीन पर कुछ है, पर शोर में सच पहचानना कठिन है। पहुंच का मतलब जानकारी पहुंचना नहीं, कसौटी यह है कि नागरिक उसे समझ, परख और अपने हित में इस्तेमाल कर पा रहा है या नहीं। यह पूछने का सूचना-विवेक जरूरी है कि स्रोत क्या है, विश्वसनीयता कितनी है, संदर्भ क्या है आदि। सोशल मीडिया और एआई ने सूचनाओं की गति तेज तो की है, पर डीपफेक और एल्गोरिदम के भ्रम ने उसे धुंधलाया भी है। लोकतंत्र में डिजिटल दक्ष ही नहीं, विवेकशील नागरिक भी चाहिए। प्रशासन और नागरिक का रिश्ता 4 बातों पर टिका है : 1. पारदर्शिता- यानी सूचना सरल भाषा में, समय पर और बिना मांगे मिले, जैसे राजस्थान का जन-सूचना पोर्टल; 2. सशक्तीकरण- यानी नागरिक लाभार्थी नहीं, भागीदार बनें, किसान अपनी भाषा में मौसम-भाव समझें; 3. भरोसेमंद शासन- यानी पहुंच के साथ निजता-सुरक्षा भी; और 4. जवाबदेही- यानी सही सूचना से सवाल और सवालों से जवाब निकलें। हमें आज यह नहीं सीखना है कि सूचना कहां मिलेगी, बल्कि यह सीखना है कि भरोसा किस पर और क्यों करें। भविष्य के नागरिक को डिजिटल दक्षता के साथ सूचना-विवेक भी चाहिए। विकसित भारत जीडीपी, एक्सप्रेसवे या डेटा खपत से ही नहीं बनेगा, उसकी ताकत सजग नागरिक भी होंगे। हम खबरों का स्रोत जांच सकें और प्रमाण से नीतियों पर राय बना सकें, यह अब बहुत जरूरी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,कुमार रोहित)

एक लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना जरूरी है

अक्टूबर 1962 में चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। उस समय संसद में सबसे छोटी पार्टियों में से एक जनसंघ से पहली बार राज्यसभा सांसद बने 36 वर्षीय एक युवा नेता ने प्रधानमंत्री नेहरू से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। उनका नाम अटल बिहारी वाजपेयी था। पं. जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस सरकार को उस समय लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त था। 72 वर्ष के नेहरू वाजपेयी से ठीक दोगुनी आयु के भी थे। लेकिन नेहरू ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई और अपनी ही पार्टी के सदस्यों के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि यह एक 'गुप्त सत्र' होना चाहिए। जब संसद की बैठक हुई, तो वाजपेयी ने सरकार पर तीखा हमला किया। लेकिन नेहरू ने इसे देशभक्ति के खिलाफ नहीं माना। इतिहास को हमारे लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तो भारत के लोग सरकार के साथ एकजुट थे और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का पूरा समर्थन किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक लड़ने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। हालांकि, अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। लोकतंत्र में सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और किसी सवाल को टालना नहीं चाहिए। खास तौर पर, इसको लेकर बहुत प्रासंगिक सवाल उठ रहे हैं कि युद्ध को अचानक क्यों समाप्त कर दिया गया। युद्ध में हमने कितने विमान खोए या नहीं खोए, इसका सटीक विवरण महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि किसी भी युद्ध में दोनों पक्षों को कुछ ना कुछ नुकसान तो होगा ही, और हमारी सरकार ने पाकिस्तान में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान के पर्याप्त विजुअल प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। लेकिन अब सार्वजनिक वृत्त में इस बात पर कुछ गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं कि युद्ध विराम कैसे और क्यों हुआ। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'केवल तभी संभव हो सका' जब ट्रम्प ने उसमें हस्तक्षेप किया और 'एक फुल-स्केल परमाणु युद्ध को टालने' के लिए दोनों देशों को व्यापार-पहुंच की पेशकश की। हालांकि इससे पहले 13 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सार्वजनिक तौर पर इसके ठीक उलट बात कही थी। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि 7 से 10 मई के बीच भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच केवल 'बातचीत' हुई थी और 'व्यापार के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।' जायसवाल ने आगे कहा कि युद्ध विराम भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधे संपर्क' के जरिए हुआ था, 'अमेरिकी मध्यस्थता के जरिए नहीं'। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि अमेरिका के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक के द्वारा न्यायालय में शपथ लेकर कही गई बात और हमारे आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा प्रेस वार्ता में दिया गया बयान- दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। भारतीय जनता इन विपरीत रुखों को कैसे समझे? यह भी रहस्य बना हुआ है कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध विराम की घोषणा कैसे कर सकते हैं, जबकि हमारे आधिकारिक प्रवक्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'प्रत्यक्ष संपर्क' के माध्यम से हुआ है। फिर इस मामले में अमेरिका की क्या भूमिका थी? युद्ध कब छेड़ा जाए और युद्ध को समाप्त

2026 का इकोनॉमिक्स नोबेल 2 अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को मिला, रॉबर्ट हॉल और माइकल वुडफोर्ड ने मंदी और महंगाई से निपटने के तरीके बताये

वॉशिंगटन डीसी। माइकल वुडफोर्ड ने ऐसे आर्थिक मॉडल विकसित करने में योगदान दिया, जिनसे ब्याज दरों में बदलाव का

महंगाई और आर्थिक विकास पर असर समझा जा सकता है। जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें घटाता है, तो कर्ज लेना सस्ता हो सकता है। इससे लोग घर और गाड़ी जैसी चीजें खरीदने के लिए कर्ज ले सकते हैं। कंपनियां भी निवेश बढ़ा सकती हैं। इससे बाजार में मांग बढ़ सकती है। इसके उलट, महंगाई बढ़ने पर ब्याज दरें बढ़ाने से कर्ज महंगा होता है और खर्च की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। वुडफोर्ड ने 2003 में प्रकाशित अपनी किताब में ऐसे मॉडल को विस्तार से समझाया। कंपनियों की कीमतें तय करने की नीति भी अहमः-कंपनियां अपने सामान की कीमतें तय करते समय भविष्य की लागत और मांग का भी अनुमान लगाती हैं। वे हर दिन कीमतें नहीं बदलतीं, क्योंकि ऐसा करने में समय और पैसा लगता है। इसलिए मांग घटने के बाद भी सामान के दाम तुरंत कम नहीं होते। इसी तरह, अगर कंपनियों को आगे लागत बढ़ने का डर हो, तो वे पहले ही कीमतें बढ़ा सकती हैं। इन फैसलों को समझना महंगाई का अनुमान लगाने और सही आर्थिक नीति बनाने में मदद करता है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंक करते हैं इन मॉडलों का इस्तेमालः-अर्थशास्त्र पुरस्कार समिति के अध्यक्ष जॉन हासलर के मुताबिक, दोनों अर्थशास्त्रियों के काम ने उन आर्थिक मॉडलों को मजबूत आधार दिया है, जिनका इस्तेमाल दुनिया भर की सरकारें और केंद्रीय बैंक करते हैं। इनकी मदद से ऊर्जा संकट और लोगों के खर्च में अचानक बदलाव जैसी स्थितियों में बेहतर फैसले लेने में मदद मिलती है। हालांकि, ये मॉडल मंदी या महंगाई को पूरी तरह खत्म नहीं करते, बल्कि उनके असर को कम करने में मदद करते हैं। स्टैनफोर्ड और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं दोनोंः-रॉबर्ट ई. हॉल का जन्म 1943 में अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के पालो ऑल्टो में हुआ था। उन्होंने 1967 में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पीएचडी की। वह स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। माइकल वुडफोर्ड का जन्म 1955 में अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य के चिकोपी में हुआ था। उन्होंने 1983 में एमआईटी से पीएचडी की। वह न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। अर्थशास्त्र का नोबेल बाकी पुरस्कारों से अलगः-अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल की मूल वसीयत में शामिल नहीं था। स्वीडन के केंद्रीय बैंक ने 1968 में इसकी शुरुआत की थी। इसका आधिकारिक नाम 'अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार' है। यह पुरस्कार ऐसे शोध को सम्मान देता है, जिसने अर्थव्यवस्था को समझने या उससे जुड़े फैसले लेने के तरीकों में अहम योगदान दिया हो। विजेता चुनते समय यह भी देखा जाता है कि किसी शोध का लंबे समय में कितना असर पड़ा है।

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में तेज बारिश, पाक से आए मौसमी असर का नतीजा, कही बाढ़ कहीं ओले

नयी दिल्ली/लखनऊ। दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में सोमवार सुबह बारिश हुई।

इसकी वजह पाकिस्तान की ओर से आने वाला मौसमी सिस्टम है। मौसम विभाग के मुताबिक, पाकिस्तान के ऊपर बना सिस्टम भारत में दिल्ली-हरियाणा, हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तरी मध्य प्रदेश तक फैला है। उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद और अलीगढ़ समेत 5 शहरों में बारिश हो रही है। लखनऊ में लगातार 15वें दिन भी बाढ़ का असर है। कॉलोनियों में कमर तक पानी भरा है। इससे 40 हजार से ज्यादा घर प्रभावित हैं। राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर, चूरू, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में बारिश हुई। इससे मौसम ठंडा हो गया। बीकानेर के लूणकरणसर में ओले भी गिरे। उत्तराखंड के केदारनाथ और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को बारिश-बर्फबारी हुई। नैनीताल में भारी ओले गिरे। हिमाचल प्रदेश के मनाली, चंबा और लाहौल-स्पीति में बारिश और ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी हुई। इससे पारा गिरा और ठंड बढ़ी है। नेपाल में गंडकी नदी में बाढ़ आने से बिहार के वाल्मीकि नगर बैराज पर पानी का बहाव बढ़ने की संभावना है। बिहार के 8 जिलों में आज बारिश हो सकती है। बिहार के पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों के 8 जिलों में आज हल्की बारिश हो सकती है। इनमें पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर और कैमूर शामिल है। बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल और रीवा संभाग में रविवार को बूंदाबांदी हुई। कुछ जगहों पर बादल भी छाए रहे। मौसम विभाग भोपाल के मुताबिक, सोमवार से साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) का असर खत्म हो जाएगा। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से रविवार को बीकानेर, जैसलमेर, चूरू, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में बरसात हुई। बीकानेर के लूणकरणसर में ओले भी गिरे। श्रीगंगानगर, चूरू और हनुमानगढ़ में 20श्श तक बरसात हुई। उन्नाव में गंगा नदी उफान पर है। गली-मोहल्लों में नाव चल रही है। गोंडा में घाघरा की बाढ़ से 10 गांव प्रभावित हैं। वहीं, राजगढ़ अमीनपुर गांव में शनिवार शाम एक सांप पकड़ने वाले शख्स के पैर में अजगर लिपट गया। आधे घंटे की मशक्कत के बाद उसने खुद को छुड़ाया। उत्तराखंड के 8 जिलों में आज बारिश की संभावना है। इनमें नैनीताल, देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ शामिल है। 3,800 मीटर और इससे ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। पंजाब और चंडीगढ़ में बारिश के बाद मौसम बदल गया है। अब ठंड का अहसास होने लगा है। पंजाब के औसत अधिकतम तापमान में 4.8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। तापमान सामान्य से 8.6 डिग्री नीचे पहुंच गया है। फरीदकोट में अधिकतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया।

सीजेपी ने दिल्ली पुलिस को आज तक का दिया था अल्टीमेटम, कहा- प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे

दीपके बोले- हिरासत का अधूरा वीडियो दिखाया

नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था जो की आज ख़त्म हुआ हैं। उसने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तारीख नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे। सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास सोमवार को प्रदर्शन की अनुमति मांगने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इसी बीच, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने हिरासत का वीडियो एडिट करके जारी किया है। उन्होंने कहा- हिम्मत है तो पूरा वीडियो दिखाओ। दीपके के मुताबिक, दादी की मौत की खबर सुनने के बाद उन्होंने अपने चचेरे भाई से बात करने देने की अपील की। दो मिनट के लिए फोन देने के लिए भी कहा लेकिन पुलिस ने इजाजत नहीं दी। दीपके, रांका और दास को शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था। वे जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने जा रहे थे। रविवार को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेशी के बाद तीनों को रिहा कर दिया गया। कोर्ट ने एक साल तक शांति भंग नहीं करने की शर्त भी रखी। सीजेपी लीडर आशुतोष रांका ने कहा कि संगठन ने पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में पुलिस को लेटर देकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी है। उन्होंने पुलिस को प्रदर्शन की तारीख तय करने का ऑप्शन भी दिया है। रांका ने कहा- डीसीपी डीसीपी गलती से कमरे में आ गए थे, लेकिन हमें वहां बैठे देखकर बाहर चले गए। इस वजह से उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि एडिशनल डीसीपी और एसएचओ भी मौजूद नहीं थे। रांका के मुताबिक, ऐसा लग रहा था कि सीजेपी के पहुंचने के बाद पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन को खाली करा दिया गया है। दीपके बोले- पुलिस ने परिवार को नहीं बताया कि मैं कहां हूंः-दीपके ने कहा कि पुलिस हिरासत में वकील से संपर्क करना कानूनी अधिकार है, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा- पुलिस ने पूरे दिन मेरे माता-पिता और वकीलों को नहीं बताया कि मुझे कहां पर हिरासत में रखा है। दीपके के मुताबिक, रात 3:30 बजे पुलिस ने उनसे माता-पिता को फोन करने को कहा। उस समय परिवार उनकी दादी की मौत के दुख से गुजर रहा था। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस ने उनके परिवार को खुद हिरासत की जगह क्यों नहीं बताई। दीपके ने कहा- पुलिस ने मुझे और मेरे परिवार को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। हिरासत में दादी की मौत की खबर सुनकर दीपके ने सिर पकड़ाः-दिल्ली पुलिस ने रविवार शाम दीपके की हिरासत का 1 मिनट 45 सेकंड का वीडियो जारी किया था। वीडियो में एक महिला पुलिसकर्मी दीपके को उनकी दादी के निधन की जानकारी देती है। यह सुनकर दीपके सिर पर हाथ रख लेते हैं। पुलिस उन्हें पानी देती है और दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बस, ट्रेन या फ्लाइट की व्यवस्था करने का ऑफर देती है, लेकिन दीपके मना कर देते हैं। रांका ने भी कहा था कि दीपके बार-बार गांव में दादी के साथ रहने वाले अपने कजिन से बात कराने की अपील करते रहे, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। दीपके की मां अनीता ने कहा कि अगर उनके बेटे को पहले रिहा कर दिया जाता, तो वह दादी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकता था।

अब नहीं होगा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, 33 साल बाद बदलाव, कभी सीजेपी ने यहीं 36 दिन धरना दिया था, धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था

नयी दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकेंगे। केंद्र सरकार ने इसे

निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से 33 साल बाद हटा दिया है। गृह मंत्रालय ने एक कमेटी बनाई थी। इसकी सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर पर रोक की मांग को लेकर सोमवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी। पुलिस ने परमिशन देने से इनकार कर दिया। इससे पहले सीजेपी ने 20 जून से 25 जुलाई तक नीट पेपर लीक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया था। 36 दिन तक चले इस प्रदर्शन के दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। गृह मंत्रालय ने कमेटी बनाई थीः-गृह मंत्रालय ने विरोध-प्रदर्शन और धरना आयोजित करने के लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से एक कमेटी बनाई थी। समिति की सिफारिशों के बाद इन तीनों स्थानों को प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया गया है। रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और सीबीडी ग्राउंड में धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की प्रक्रिया और नियमों को लेकर संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अलग से जारी की जाएगी। फिलहाल आदेश में इन दिशा-निर्देशों का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। जंतर-मंतर से संसद तक पहुंच गए थे प्रदर्शनकारीः-जंतर-मंतर को प्रदर्शन की जगहों से हटाने के पीछे की वजह नहीं बताई गई है। लेकिन, माना जा रहा है कि संसद से सिर्फ 1.5ल् दूरी इसकी सबसे बड़ी वजह है। जून-जुलाई में हुए कॉकरोच पार्टी के धरने के दौरान प्रदर्शनकारी संसद के नजदीक पहुंच गए थे। उन्हें रोकने के लिए दरवाजे बंद करने पड़े थे। एक बार फिर कॉकरोच पार्टी अब यहां प्रदर्शन के लिए मंजूरी मांग रही है। यहां तक की राहुल समेत विपक्ष भी जंतर-मंतर पर धरना देने की तैयारी में है। रामलीला मैदान भी संसद से करीब 3-4 किमी दूर है, जबकि बुराड़ी और सीबीडी मैदान शहर के दूसरे हिस्सों में हैं। 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने भी जंतर-मंतर के विकल्प के तौर पर ऐसी बड़ी जगह तलाशने की बात कही थी, जहां पानी, टॉयलेट और मेडिकल जैसी सुविधाएं हों।

दिल्ली में प्रदर्शन पर वर्ल्ड मीडिया की अलग अलग राय, अल-जजीरा ने लिखा- सरकार के लिए सबसे गंभीर चुनौती, एनवाईटी बोला- विरोध को दबाना मुश्किल

नयी दिल्ली। भारत में एसआईआर को लेकर विरोध-प्रदर्शन जारी हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इस मामले को दुनियाभर के मीडिया संस्थानों को प्रमुखता से कवर किया गया है। एनवाईटी के मुताबिक, पुलिस की कार्रवाई से मोदी की लोकतांत्रिक नेता वाली छवि को झटका लगा है। अल जजीरा के मुताबिक, युवा आंदोलन पीछे हटने को तैयार नहीं है। वॉशिंगटन पोस्ट, सीएनएन और साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी टॉप स्टोरीज में इन प्रदर्शन को जगह दी है। एनवाईटी- सत्ता बनाए रखने के तरीके कमजोर पड़ेः-अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स कि भारत में पहले कमजोर पड़ चुका विपक्ष अब फिर सक्रिय हो रहा है। विपक्षी दल युवाओं के आंदोलन से बनी राजनीतिक जगह का फायदा उठाकर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। शनिवार को दिल्ली में पुलिस की सख्त कार्रवाई के दृश्य दुनियाभर में प्रसारित हुए। इससे पीएम मोदी की लोकतांत्रिक नेता वाली छवि को झटका लगा। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की कार्रवाई के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए, जिससे सरकार की मुश्किलें बढ़ीं। अखबार के मुताबिक, मोदी समर्थक पहले विरोधियों को कमजोर बताकर या कुछ को आतंकवादी और देशविरोधी कहकर उनके आंदोलन को खारिज करते रहे हैं। लेकिन मौजूदा युवा आंदोलन में समाज के अलग-अलग वर्गों के लोग शामिल हो रहे हैं। इससे सरकार के लिए प्रदर्शनकारियों को उसी तरीके से निशाना बनाना मुश्किल हो रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट- मोदी और सीईसी के खिलाफ गुस्साः- अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने लिखा कि भारत में युवाओं के विरोध-प्रदर्शन के बीच पीएम मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। वोटर लिस्ट में बदलाव के विरोध में आंदोलन कर रहे युवाओं ने दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान किया था, लेकिन पुलिस ने जंतर-मंतर पहुंचने से पहले ही कई नेताओं, विपक्षी सांसदों और छात्र कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दिल्ली में सुरक्षा बढ़ाई, जगह-जगह बैरिकेडिंग की और वाहनों की जांच की। यह आंदोलन ऐसे समय तेज हुआ है, जब इससे पहले पेपर लीक के मुद्दे पर हुए युवा प्रदर्शनों के बाद जुलाई में शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा था। अमेरिकी अखबार सीएनएन लिखता है कि कई हफ्तों तक धरने और मार्च चलने के बाद जुलाई में धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। यह मोदी सरकार के लिए एक राजनीतिक झटका था। विपक्षी दल भी सरकार को इस तरह का झटका नहीं दे पाए थे। अब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हो रहा प्रदर्शन सीजेपी के लिए एक परीक्षा है। पार्टी यह देखना चाहती है कि क्या शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के लिए अपनाई गई उसकी सफल रणनीति को देश की चुनाव व्यवस्था जैसे बड़े मुद्दे पर भी दोहराया जा सकता है। साउथ चाइना पोस्ट- भारत में चुनाव प्रक्रिया पर सवाल-हॉन्गकॉन्ग के अखबार साउथ चाइना पोस्ट ने लिखा वोटर लिस्ट में करीब 13 करोड़ नाम हटाए जाने की खबर के बाद विरोध तेज हुआ है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वोटर लिस्ट में बदलाव से भाजपा को फायदा पहुंच सकता है। शनिवार को दिल्ली में प्रदर्शन रोकने के लिए हजारों पुलिस और पैरामिलिट्री जवान तैनात किए गए, कई मेट्रो स्टेशन और बाजार बंद रहे और 2,000 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया। रिपोर्ट ने इस विरोध को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अब तक की गंभीर राजनीतिक चुनौतियों में से एक बताया है। अल जजीरा- पीएम मोदी के लिए अब तक की सबसे गंभीर चुनौती-अल जजीरा ने विरोध प्रदर्शन को लेकर लिखा है कि ये पीएम मोदी और उनकी सरकार के लिए अब तक की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक हैं। पिछले हफ्ते इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद विरोध और तेज हो गया। रिपोर्ट में बताया गया था कि दो चुनाव आयुक्तों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के वोटर लिस्ट में किए गए बदलावों पर सवाल उठाए थे। इन बदलावों के चलते वोटर लिस्ट से करीब 13 करोड़ नाम हटा दिए गए थे। भाजपा का कहना है कि चुनावों में उसकी सफलता मोदी की लोकप्रियता और भारत की आर्थिक तरक्की को दिखाती है। पार्टी ने विपक्ष पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है। बीबीसी- नेताओं की गिरफ्तारी से आंदोलन को झटकाः-बीबीसी के मुताबिक, कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन अब बेरोजगारी और पेपर लीक से आगे बढ़कर चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी से आंदोलन की रफ्तार पर असर पड़ा है। एक प्रदर्शनकारी ने भी माना कि शीर्ष नेताओं की गैरमौजूदगी में आंदोलन को आगे बढ़ाने में मुश्किल हो रही है। हालांकि, पार्टी ने पीछे हटने से इनकार किया है। अब उसके सामने चुनौती है कि शिक्षा सुधारों के मुद्दे पर मिली सफलता को क्या वह चुनाव व्यवस्था में बदलाव की मांग के लिए भी दोहरा पाएगी।

The New York Times
Crackdown Exposes Limits of Modi's Playbook for Maintaining Power

The Washington Post
India cracks down on youth protests as anger grows against Modi and election chief

दिल्ली में प्रदर्शन-पाबंदियों पर सीजेआई बोले- यह मेरा मुद्दा नहीं, विपक्ष से मुलाकात पर कहा- नहीं मिलने की वजह बता चुका

नयी दिल्ली। दिल्ली में सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन और पाबंदियों पर सीजेआई सूर्यकांत ने सोमवार को कहा- ये मेरा मुद्दा नहीं है। सीजेआई विज्ञान भवन

में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के 33वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। कार्यक्रम से पहले उन्होंने इंडिया ब्लॉक के नेताओं से मुलाकात नहीं करने की वजह भी बताई। सीजेआई ने कहा-रविवार को विपक्षी सांसदों का पत्र मिला था, जिसका जवाब मैंने उसी रात दे दिया था। सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। कोई भी आम नागरिक या निर्वाचित जनप्रतिनिधि याचिका दाखिल कर सकता है। कोर्ट उनकी समस्याएं सुनेगा और कानून के मुताबिक कार्रवाई करेगा। इस बीच, राहुल गांधी ने कहा कि सीजेआई ने उन्हें अपनी चिंताओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने को कहा है। राहुल के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक के नेता सोमवार शाम संयुक्त रूप से याचिका दाखिल करेंगे। राहुल ने सीईसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सीजेआई से मुलाकात का समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने इनकार कर दिया। सीजेआई ने अपने जवाब में बताईं 4 वजहेंः-1. एसआईआर और सीईसी से जुड़े मामले पहले से लंबितः सीजेआई ने विपक्ष से कहा कि वह जिन मुद्दों को उठाना चाहता है, उनमें एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त से जुड़े मामले शामिल हैं। ये मामले पहले से ही कोर्ट में लंबित हैं। 2. प्रशासनिक स्तर पर शिकायतों पर कार्रवाई नहीं कर सकती अदालतः सीजेआई ने बताया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत अदालत प्रशासनिक स्तर पर इस तरह की शिकायतों पर संज्ञान नहीं ले सकती। इसके लिए न्यायिक प्रक्रिया अपनानी होगी। 3. याचिका दायर करने पर अगले दिन सुनवाईः सीजेआई ने विपक्ष को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट को न्यायिक समीक्षा का अधिकार है। अगर इन मुद्दों पर सोमवार को याचिका दायर की जाती है, तो मंगलवार को सुनवाई के लिए उसे सूचीबद्ध किया जा सकता है। उस दिन पहले से लंबित संबंधित मामलों पर भी सुनवाई होनी है। 4. मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए कोर्ट के दरवाजे खुलेः सीजेआई ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी शिकायतों और अधिकारों के उल्लंघन से जुड़े मामलों में अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। आज सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालेगा विपक्षः-सीजेआई की तरफ से मुलाकात के लिए इनकार के बावजूद विपक्षी दलों ने आज अपनी मांगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने का ऐलान किया है। कांग्रेस ने इसे 'चलो दिल्ली-मार्च फॉर डेमोक्रेसी' नाम दिया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट तक मार्च में युवा, विपक्षी दल, नागरिक संगठन और लोकतंत्र व संविधान में विश्वास रखने वाले लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह मार्च पार्टी, लिंग, जाति, समुदाय और राज्य की सीमाओं से ऊपर उठकर भारतीयों के तौर पर निकाला जाएगा। शुक्रवार को विपक्ष ने राष्ट्रपति को सौंपा था ज्ञापनः-इससे पहले शुक्रवार को इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने संसद से विजय चौक तक मार्च निकाला था। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ज्ञापन सौंपा था। वहीं, खड़गे ने बेंगलुरु में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह देश में अव्यवस्था पैदा कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार के प्रदर्शन के दौरान भारी पुलिस तैनाती और लोगों को हिरासत में लिए जाने का जिक्र करते हुए सरकार पर युवाओं के आंदोलन से डरने का आरोप लगाया। खड़गे ने कहा कि विपक्ष सीजेआई से केवल अनुरोध कर सकता है, मांग नहीं।

पटाखा बैन-सुप्रीम कोर्ट बोला-कम प्रदूषण वाले तरीके अपनाएं, वकील ने कहा-भगवान को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे बीमार हो रहे तो वो भी हैरान होंगे

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग

पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन जरूरी है। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा, अगर भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना शामिल थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पटाखों से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदेश देने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसे व्यावहारिक और लागू करने योग्य बनाया जा सकता है या नहीं। जस्टिस बागची ने पटाखे फोड़ने के धार्मिक आधार पर सवाल उठाया। जागरूकता और कम प्रदूषण वाले पटाखों पर जोरः-सीजेआई ने कहा कि लोगों को समझदार बनाना होगा और जागरूक करना होगा। उन्हें बताना होगा कि कौन से पटाखे ज्यादा नुकसानदायक हैं। हमें लोगों को अपनी मूल संस्कृति की ओर लौटने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उस समय केवल फुलझड़ियां जलती थीं और दीपक जलाए जाते थे।' वरिष्ट वकील पराजिता सिंह ने कहा कि सही तरीके से लागू किए बिना प्रतिबंध प्रभावी नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थीः-पिछले साल दिवाली से पहले दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 200 पार हो गया था। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और नेशनल कैपिटल रीजन में ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी थी। यह छूट परंपराओं और पर्यावरण व स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने की शर्तों के साथ दी गई थी। पराली जलाने पर भी चर्चाः-बेंच ने पराली जलाने से रोकने के उपायों पर भी चर्चा की। केंद्र ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए उठाए गए कदमों और भविष्य की योजनाओं पर अपडेटेड स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने पर सहमति दी।

होटल रेड में 35 साल की टीवी एक्ट्रेस रेस्क्यू,एनजीओ ने पुलिस को दी सेक्स रैकेट की सूचना, प्रोटेक्शन सेंटर में रखी गईं

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे के एक होटल में रेड कर देह व्यापार और मानव तस्करी के एक कथित रैकेट का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में 35 साल की एक टीवी एक्ट्रेस को भी रेस्क्यू किया गया है। वहीं रैकेट चलाने वाली एक 39 साल की महिला की भी गिरफ्तारी हुई है, जो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़ीं महिलाओं को देह व्यापार में फंसाती थी। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह पर टीवी सीरियल, वेब सीरीज में काम करने वाली एक्ट्रेसेस को फंसाया जा रहा था। इन्हें फोटोशूट के नाम पर बुलाया जाता और बाद में जबरन रैकेट में शामिल किया जाता था। कैसे हुआ मामले का खुलासा? महाराष्ट्र पुलिस को एक एनजीओ से इस कथित रैकेट की जानकारी मिली थी। इसके बाद 8 अक्टूबर को पुलिस ने मीरा-भायंदर रोड स्थित एक होटल में नकली, अंडरकवर ग्राहक भेजा। जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने होटल में छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने तबस्सुम उर्फ सोनिया उमर कुरैशी (39) को पकड़ा। पुलिस का आरोप है कि वह महिलाओं को देह व्यापार में धकेलने के बदले पैसे ले रही थी। इस रेड में 35 साल की टीवी एक्ट्रेस को रेस्क्यू किया गया। वह हिंदी टीवी सीरियल और वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। बचाव के बाद उन्हें मुंबई के रेस्क्यू फाउंडेशन में सुरक्षा के लिए रखा गया है। पुलिस ने एक्ट्रेस का नाम और उनके काम से जुड़ी दूसरी जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार महिला और उसका कथित साथी मनोरंजन जगत में काम करने वाली महिलाओं को निशाना बनाते थे। हालांकि, पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि इस मामले में

कुल कितनी महिलाएं प्रभावित हुई हैं और कथित रैकेट कितने समय से चल रहा था। तबस्सुम उर्फ सोनिया उमर कुरैशी छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले की रहने वाली है और फिलहाल मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में रहती थी। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 143 और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उसके कथित पुरुष साथी की तलाश कर रही है। मामले में जांच जारी है। 2026 का ये इस तरह का तीसरा मामलाः-1. सितंबर 2026ः भोजपुरी फिल्मों और हिंदी वेब सीरीज में काम कर चुकी 26 वर्षीय एक्ट्रेस पर कथित देह व्यापार का रैकेट चलाने का आरोप लगा। पुलिस ने दो महिलाओं को बचाया। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी को हिरासत में लिया गया और मामले की जांच शुरू हुई। एक्ट्रेस की पहचान रिपोर्ट में नहीं बताई गई। 2. जून 2026ः मुंबई पुलिस ने एक होटल में कथित देह व्यापार के रैकेट पर कार्रवाई की। रिपोर्टों के मुताबिक, मराठी फिल्म की एक लीड एक्ट्रेस और बंगाली फिल्मों में काम कर चुकी दूसरी एक्ट्रेस को बचाया गया। मामले में एक मेकअप आर्टिस्ट को कथित तौर पर ग्राहकों और महिलाओं के बीच संपर्क कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।पहले भी कई एक्ट्रेसेस को किया गया रेस्क्यूः- 2025 में टीवी एक्ट्रेस अनुष्का दास को किया गया था रेस्क्यू-हिदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 41 वर्षीय टीवी एक्ट्रेस अनुष्का दास को कथित देह व्यापार रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस का आरोप था कि वह फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम पाने की कोशिश कर रही महिलाओं को ग्राहकों से मिलवाती थीं। कार्रवाई में टीवी सीरियल और बंगाली फिल्मों में काम कर चुकीं दो महिलाओं को बचाया गया। 2025 में 4 एक्ट्रेसेस को किया गया रेस्क्यूः- पुलिस ने एक होटल में जाल बिछाकर कथित देह व्यापार रैकेट का खुलासा किया। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, चार महिला कलाकारों को बचाया गया। इनमें से एक हिंदी टीवी सीरियल में काम कर चुकी थीं। श्याम सुंदर अरोड़ा नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और उसके सहयोगी के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। 2020 में सावधान इंडिया की एक्ट्रेस को बचाया गयाः-पुलिस ने एक होटल में छापा मारकर कथित देह व्यापार के मामले में तीन महिला कलाकारों को बचाया, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल थी। प्रिय शर्मा नाम की 29 वर्षीय महिला को कथित तौर पर रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बचाई गई महिलाओं में टीवी क्राइम शो सावधान इंडिया में काम कर चुकी एक कलाकार और मराठी फिल्मों व सीरियल में काम कर चुकी एक महिला शामिल थीं। 2015 में कास्टिंग डायरेक्टर ने एक्ट्रेसेस को फंसायाः-2015 में पुलिस ने कास्टिंग डायरेक्टर राज सिन्हा को कथित तौर पर महिलाओं को ग्राहकों तक पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कार्रवाई में एक टीवी एक्ट्रेस समेत दो महिलाओं को बचाया गया।

नवरात्रि के पहले दिन नैना देवी मंदिर पहुंचीं जाह्नवी कपूर,रिया चक्रवर्ती के साथ नैनीताल में कर रहीं शूटिंग

नैनीतार्ले। नैनीताल में बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और रिया चक्रवर्ती अपनी नई थ्रिलर-

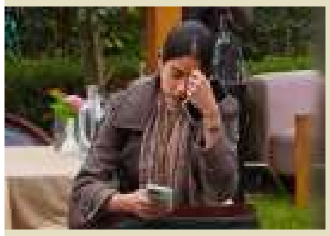

रोमांटिक फिल्म 'पीएन 36' की शूटिंग कर रही हैं। रविवार को नवरात्रि के पहले दिन व्रत रखकर जाह्नवी कपूर होटल से करीब 150 मीटर पैदल चलकर नैना देवी मंदिर पहुंचीं। यहां उन्होंने मां की आरती की और पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति की ओर से उन्हें मां की चुनरी भेंट की गई। जाह्नवी और रिया ने बारिश और बादलों के बीच फिल्म के एक रोमांटिक सॉन्ग की शूटिंग भी की। अब तक फिल्म की शूटिंग नैनीताल के स्विस होटल में हुई है। शनिवार को दोनों एक्ट्रेस ने यहां शूटिंग की थी। वहीं, होटल नमः में भी फिल्म के कुछ सीन फिल्माए गए हैं। हालांकि, यह शूटिंग नैनीताल से बाहर हुई है। शूटिंग के बीच दोनों एक्ट्रेस नैनीताल में ही हैं। ब्रेक के दौरान उनके आसपास के इलाकों में घूमने की संभावना है। दोनों के कैंची धाम जाने की भी चर्चा है, हालांकि अभी दर्शन का कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। जाह्नवी कपूर अपनी फिटनेस का भी ध्यान रख रही हैं। वह सुबह करीब 7 बजे मल्लीताल के रोपवे मार्ग स्थित बुल्स जिम में वर्कआउट करने पहुंची थीं। 'पीएन 36' में साउथ की एक्ट्रेस श्रीलीला और एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन उमेश बिष्ट कर रहे हैं।

कमर-जांघों की चर्बी सिर्फ मोटापा नहीं,हो सकता है लिपेडेमा, डॉक्टर से जानें इसके लक्षण, इलाज और बचाव के तरीके

मुंबई। कुछ महिलाओं की जांघों और कूल्हों पर जरूरत से ज्यादा चर्बी जमा हो जाती है। डाइटिंग और रेगुलर एक्सरसाइज से भी यह चर्बी कम नहीं होती। अक्सर लोग इसे मोटापा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई बार यह लिपेडेमा का संकेत हो सकता है। यह एक मेडिकल कंडीशन है, जिसमें शरीर के निचले हिस्से में असामान्य रूप से फैट जमा होता है। यह समस्या महिलाओं में ज्यादा देखी जाती है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 11इ वयस्क महिलाएं इससे प्रभावित हैं। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में लिपेडेमा को विस्तार से समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लिपेडेमा और सामान्य मोटापे में क्या अंतर है? लिपेडेमा के लक्षण क्या हैं? किस स्थिति में डॉक्टर को दिखाना जरूरी है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अंकित पोतदार, कंसल्टेंट, लेप्रोस्कोपी, बेरियाट्रिक एंड रोबोटिक सर्जन, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- लिपेडेमा क्या है? जवाब- लिपेडेमा फैट टिश्यू से जुड़ा एक क्रॉनिक डिसऑर्डर है। इसमें शरीर के कुछ हिस्सों (खासकर जांघों, कूल्हों, नितंबों और पैरों) में असामान्य रूप से फैट जमा होने लगता है। सवाल- लिपेडेमा क्यों होता है? जवाब- लिपेडेमा की सटीक वजह अभी तक स्पष्ट नहीं है। हालांकि 20-60% मरीजों में इसकी फैमिली हिस्ट्री मिलती है। इसलिए एक्सपर्ट्स मानते हैं कि जेनेटिक फैक्टर्स इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव भी इससे जुड़े हो सकते हैं। सवाल- लिपेडेमा कितने प्रकार का होता है? जवाब- लक्षण के आधार पर लिपेडेमा को 5 प्रकारों में बांटा गया है- टाइप 1 फैट नाभि (बेली बटन) से लेकर कूल्हों तक जमा होता है। टाइप 2 फैट पेल्विस (श्रोणि) से घुटनों तक जमा होता है। टाइप 3 : फैट पेल्विस और टखनों के बीच होता है। टाइप 4: फैट कंधों और कलाइयों के बीच होता है। टाइप 5: फैट घुटनों से टखनों तक जमा होता है। ध्यान रखें, किसी भी व्यक्ति को एक ही समय में कई प्रकार का लिपेडेमा हो सकता है। सवाल- लिपेडेमा और सामान्य मोटापे में क्या अंतर है? जवाब- लिपेडेमा और मोटापा एक जैसे दिखते हैं, लेकिन दोनों अलग कंडीशंस हैं। लिपेडेमाः- मेडिकल कंडीशन, फैट जांघों, कूल्हों, पैरों में वेट लॉस मुश्किल, दर्द, भारीपन, नीले निशान, पैरों का आकार असामान्य.सामान्य मोटापा- ज्यादा फैट जमा होना, फैट पूरे शरीर में, वेट लॉस संभव, दर्द या नीले निशान नहीं, पैर सामान्य, पूरे शरीर पर असर। सवाल- लिपेडेमा के लक्षण क्या हैं? जवाब- लिपेडेमा में शरीर के निचले हिस्से में असामान्य रूप से फैट जमा होने लगता है। इसके साथ दर्द, भारीपन और सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लिपेडेमा के प्रमुख लक्षणः- कुछ मामलों में बांहों में फैट। पैरों का आकार बढ़ना। पैरों में भारीपन, दर्द, सूजन।' जांघों, कूल्हों में फैट बढ़ना। छूने पर दर्द महसूस होना। ज्यादा थकान होना। प्रभावित हिस्से पर नीले निशान। स्किन के नीचे गांठें महसूस होना। गंभीर मामलों में चलने में दिक्कत। सवाल- किस स्थिति में डॉक्टर को दिखाना जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में डॉक्टर से कंसल्ट करें- जांघों, कूल्हों या पैरों में लगातार चर्बी बढ़े। डाइटिंग और एक्सरसाइज के बावजूद फैट कम न हो। इसके साथ दर्द, सूजन, भारीपन हो। स्किन पर नीले निशान पड़ रहे हों।चलने-फिरने में दिक्कत हो। सवाल- डॉक्टर लिपेडेमा का पता कैसे लगाते हैं? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- डॉक्टर मरीज के लक्षण के आधार पर मेडिकल और फैमिली हिस्ट्री की जानकारी लेते हैं। इसके बाद प्रभावित हिस्सों की जांच करते हैं। टिश्यू, सूजन के पैटर्न और पैरों के आकार का आकलन करते हैं। लिपेडेमा की पहचान मुख्य रूप से क्लिनिकल जांच के आधार पर की जाती है। जरूरत पड़ने पर अल्ट्रासाउंड, एमआरआई या अन्य टेस्ट से अन्य कारणों का पता लगाया जाता है। सवाल- लिपेडेमा का इलाज क्या है? जवाब- लिपेडेमा का कोई स्थायी इलाज नहीं है। लेकिन इसके लक्षणों को मैनेज करने के लिए डॉक्टर लाइफस्टाइल में बदलाव, थेरेपी या अन्य उपचार की सलाह देते हैं। इसमें ये विकल्प शामिल हो सकते हैं- रेगुलर एक्सरसाइज (जैसे वॉकिंग, साइकिलिंग और स्विमिंग)। एंटी-इंफ्लेमेटरी और हार्ट-हेल्दी डाइट। कंप्रेशन स्टॉकिंग्स का इस्तेमाल। स्किन केयर के लिए मॉइश्चराइजर और जरूरत पड़ने पर दवाएं या सप्लीमेंट्स। लिम्फैटिक ड्रेनेज मसाज। सूजन या अन्य लक्षणों को कंट्रोल करने के लिए दवाएं। जरूरत पड़ने पर पेन्यूमैटिक कंप्रेशन डिवाइस का उपयोग। गंभीर मामलों में लिपोसक्शन सर्जरी। बीएमआई 35 से ज्यादा होने पर कुछ मरीजों में बैरिएट्रिक सर्जरी। लिपेडेमा को लोग अक्सर मोटापा समझते हैं। लेकिन कोशिश के बाद भी अगर जांघों, पैरों की चर्बी कम न हो और दर्द बना रहे तो डॉक्टर से कंसल्ट करें। समय पर पहचान से लिपेडेमा के लक्षणों को कंट्रोल किया जा सकता है। सवाल- किस स्थिति में डॉक्टर को दिखाना जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में डॉक्टर से कंसल्ट करें- जांघों, कूल्हों या पैरों में लगातार चर्बी बढ़े। डाइटिंग और एक्सरसाइज के बावजूद फैट कम न हो। इसके साथ दर्द, सूजन, भारीपन हो। स्किन पर नीले निशान पड़ रहे हों।चलने-फिरने में दिक्कत हो। सवाल- डॉक्टर लिपेडेमा का पता कैसे लगाते हैं? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- डॉक्टर मरीज के लक्षण के आधार पर मेडिकल और फैमिली हिस्ट्री की जानकारी लेते हैं। इसके बाद प्रभावित हिस्सों की जांच करते हैं। टिश्यू, सूजन के पैटर्न और पैरों के आकार का आकलन करते हैं। लिपेडेमा की पहचान मुख्य रूप से क्लिनिकल जांच के आधार पर की जाती है। जरूरत पड़ने पर अल्ट्रासाउंड, एमआरआई या अन्य टेस्ट से अन्य कारणों का पता लगाया जाता है। सवाल- लिपेडेमा का इलाज क्या है? जवाब- लिपेडेमा का कोई स्थायी इलाज नहीं है। लेकिन इसके लक्षणों को मैनेज करने के लिए डॉक्टर लाइफस्टाइल में बदलाव, थेरेपी या अन्य उपचार की सलाह देते हैं। इसमें ये विकल्प शामिल हो सकते हैं- रेगुलर एक्सरसाइज (जैसे वॉकिंग, साइकिलिंग और स्विमिंग)। एंटी-इंफ्लेमेटरी और हार्ट-हेल्दी डाइट। कंप्रेशन स्टॉकिंग्स का इस्तेमाल। स्किन केयर के लिए मॉइश्चराइजर और जरूरत पड़ने पर दवाएं या सप्लीमेंट्स। लिम्फैटिक ड्रेनेज मसाज। सूजन या अन्य लक्षणों को कंट्रोल करने के लिए दवाएं। जरूरत पड़ने पर पेन्यूमैटिक कंप्रेशन डिवाइस का उपयोग। गंभीर मामलों में लिपोसक्शन सर्जरी। बीएमआई 35 से ज्यादा होने पर कुछ मरीजों में बैरिएट्रिक सर्जरी। सवाल- अगर लिपेडेमा का इलाज न कराएं तो क्या कॉम्प्लिकेशंस हो सकते हैं? जवाब- समय पर इलाज न कराने पर लिपेडेमा धीरे-धीरे बढ़ सकता है और कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं, जैसेकि- चलने-फिरने में दिक्कत। लिम्फेडेमा या लिपो-लिम्फेडेमा। नसों से जुड़ी समस्याएं। जोड़ों की दिक्कत। फ्लैट फीट की समस्या। डिप्रेशन, एंग्जाइटी का रिस्क। सवाल- लिपेडेमा का जोखिम कम करने के लिए क्या करें? जवाब- समय पर पहचान और हेल्दी लाइफस्टाइल से लिपेडेमा की रफ्तार और लक्षणों को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। सवाल- लिपेडेमा से पीड़ित व्यक्ति की दिनचर्या और खानपान कैसा होना चाहिए? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- रोजाना हल्की-फुल्की फिजिकल एक्टिविटी करें। स्विमिंग, वॉकिंग या साइकिलिंग को प्राथमिकता दें। ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज और लीन प्रोटीन खाएं। ज्यादा नमक, चीनी और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से बचें। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं। वेट कंट्रोल करें। पर्याप्त नींद लें। स्ट्रेस मैनेज करें।डॉक्टर की सलाह से रेगुलर दवाएं और थेरेपी लें। लिपेडेमा से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब- सवाल- भारत में यह बीमारी कितनी कॉमन है? जवाब- भारत में लिपेडेमा के मामलों के सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि डॉक्टर अब पहले की तुलना में इस बीमारी की पहचान ज्यादा कर रहे हैं। फिर भी कई लोग इसे सामान्य मोटापा समझ लेते हैं। इसलिए बड़ी संख्या में केस डायग्नोस नहीं हो पाते। सवाल- क्या बीएमआई सामान्य होने पर भी लिपेडेमा हो सकता है? जवाब- हां, सामान्यँश्इ वाले लोगों में भी लिपेडेमा हो सकता है। सवाल- क्या लिपेडेमा में दर्द होता है? जवाब- हां, पैरों में दर्द, भारीपन और छूने पर दर्द महसूस होना इसके आम लक्षण हैं। सवाल- क्या यह बीमारी जानलेवा है? जवाब- नहीं, लिपेडेमा जानलेवा नहीं है। लेकिन इलाज न कराने पर इससे रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो सकती है। सवाल- क्या लिपेडेमा में वजन कम नहीं होता है? जवाब- हां, लिपेडेमा से प्रभावित हिस्सों में जमा फैट पूरी तरह कम नहीं होता है। सवाल- क्या एक्सरसाइज से लिपेडेमा ठीक हो सकता है? जवाब- नहीं, हालांकि इससे दर्द, सूजन और चलने-फिरने में सुधार हो सकता है। सवाल- कौन-सी एक्सरसाइज लिपेडेमा में फायदेमंद है? जवाब- वॉकिंग, स्विमिंग, साइकिलिंग और लो-इम्पैक्ट एक्सरसाइज फायदेमंद मानी जाती है।

हमारे झगड़ों से परेशान है संतान वो चुप हैं उदास है, क्या पेरेंट्स की लड़ाई से बच्चे डिप्रेशन में जा सकते हैं

जयपुर। बिलकुल स्वाभाविक सी बात है लड़ाई से बच्चे डिप्रेशन में जा सकते हैं। पति-पत्नी के बीच कभी-कभार मतभेद होना सामान्य बात है। लेकिन अगर घर में रोज झगड़े होने लगें, आवाज ऊंची होने लगे और बच्चा बार-बार इन सबका गवाह बने, तब यह सिर्फ पति-पत्नी के बीच का मामला नहीं रह जाता। इसका असर पूरे परिवार और खासतौर से बच्चे की मेंटल-इमोशनल हेल्थ पर पड़ता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 37 साल की गृहिणी हूं। मेरे पति प्राइवेट नौकरी करते हैं और अक्सर काम का तनाव घर लेकर आते हैं। पिछले दो साल से हमारे बीच लगभग रोज किसी-न-किसी बात पर बहस, झगड़ा हो जाता है। हमारा 8 साल का बेटा झगड़ा शुरू होते ही अपने कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लेता है। पहले वह बहुत हंसमुख था, लेकिन अब छोटी-छोटी बात पर डर जाता है और स्कूल जाने से भी कतराने लगा है। कभी-कभी कहता है, 'आप लोग फिर लड़ोगे क्या?' मुझे लगता है कि वह तनाव में रहने लगा है। क्या हमारे झगड़े उसकी मेंटल हेल्थ पर लॉन्ग टर्म असर डाल सकते हैं? अब हमें क्या करना चाहिए? बच्चे घर के भावनात्मक माहौल को गहराई से महसूस करते हैं। अगर घर में तनाव, लड़ाई-झगड़े हों तो इसका बच्चे की मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ता है। बच्चा स्ट्रेस में रहता है, जिससे पढ़ाई और सेहत, दोनों खराब होते हैं। बच्चे में दिख रहे बदलाव, आपके बेटे के व्यवहार में ये बदलाव दिख रहे हैं, डर जाना, स्कूल से बचना, झगड़ा शुरू होते ही अपने कमरे में बंद हो जाना-बार-बार पूछना कि 'आप लोग फिर लड़ोगे क्या?' ये सारे संकेत बताते हैं कि वह घर के तनाव को महसूस कर रहा है। बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। अपने डर, चिंता और असुरक्षा को वे अपने व्यवहार के जरिए दिखाते हैं। माता- पिता हैं बच्चे का सेफ्टी नेट-चाइल्ड साइकोलॉजी के अनुसार, बच्चे के लिए माता-पिता उसका सबसे सुरक्षित संसार होते हैं। जब वह संसार अस्थिर और तनावपूर्ण दिखने लगता है तो उसके भीतर 'सेफ्टी' की भावना कमजोर होने लगती है। वह हर समय सतर्क रहने लगता है कि अगला झगड़ा कब होगा। 1- हर समय डर में रहना। 2-एंजाइटी महसूस होना। 3-आत्मविश्वास कम होना। 4- पढ़ाई में मन न लगना। 5- स्कूल जाने से बचना। 6- दोस्तों से दूरी बनाना। 7- बच्चे में गुस्सा बढ़ना। 8- चिड़चिड़ापन बढ़ना। 9- रात में नींद न आना। 10- पेट दर्द, सिरदर्द की शिकायत। क्या हर झगड़ा बच्चे को नुकसान पहुंचाता है? नहीं। यह समझना बहुत जरूरी है। अगर पति-पत्नी किसी बात पर शांत तरीके से असहमति जताते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और बाद में समस्या का समाधान भी बच्चे के सामने दिखता है, तो बच्चा सीखता है कि मतभेद रिश्तों का सामान्य हिस्सा हैं। समस्या तब होती है, जब- माता-पिता के बीच रोज झगड़े हों। झगड़े में चिल्लाना, धमकाना, अपमान करना शामिल हो। उनके बीच कई दिनों तक तनाव बना रहे। बच्चा खुद को झगड़े की वजह मानने लगे। घर में हमेशा तनाव का माहौल रहे। ऐसे माहौल में बच्चा 'इमोशनल सर्वाइवल मोड' में रहने लगता है। उसका दिमाग पढ़ाई, खेल और सीखने की बजाय अपनी सुरक्षा पर ज्यादा फोकस हो जाता है। झगड़े को कैसे समझता बच्चे का ब्रेन? 8 साल की उम्र में बच्चा दुनिया को अभी भी काफी हद तक माता-पिता के नजरिए से देखता है। अगर वह रोज लड़ाई देखता है तो उसके मन में कई तरह के सवाल आते हैं- क्या मेरी वजह से झगड़ा हुआ? क्या मम्मी-पापा अलग हो जाएंगे? अगर वे अलग हो गए तो मैं किसके साथ रहूंगा? क्या मैं कुछ कर सकता हूं? ये स्ट्रेस बच्चे के भीतर डर पैदा कर सकता है। ये डर बच्चे शब्दों में नहीं बोल पाते। इसलिए उनके व्यवहार और कुछ संकेतों पर गौर करने की जरूरत है- बच्चे के इन संकेतों को इग्नोर न करेंः- अचानक बहुत चुप हो जाना। छोटी-छोटी बातों पर रोना। स्कूल जाने से बचना। बच्चे को । बुरे सपने आना। बिस्तर गीला करना। मम्मी-पापा से चिपके रहना। पसंद की चीजों में रुचि कम होना। माता-पिता के लिए सबसे जरूरी बातः- अक्सर माता-पिता कहते हैं, 'हम बच्चे के सामने नहीं लड़ते' या 'उसे कुछ समझ नहीं आता।' असलियत यह है कि बच्चे सिर्फ शब्द नहीं सुनतेञ। वे चेहरे के भाव, आवाज का उतार-चढ़ाव, कमरे का माहौल और शरीर की भाषा भी पढ़ लेते हैं। इसलिए अगर बच्चा डर रहा है तो उसकी भावना को 'ओवररिएक्शन' कहकर खारिज न करें। उसके डर को स्वीकार करना ही समाधान की शुरुआत है। इस स्थिति को कैसे संभालें? 1. झगड़े का तरीका बदलेंः- मतभेद होना सामान्य है, लेकिन उसे संभालने का तरीका बदला जा सकता है। इसलिए आप आपस में कुछ बातें तय करें, जैसेकि- गुस्सा बढ़े तो बातचीत रोक दें। तय करें कि बच्चे के सामने बहस नहीं करेंगे। चिल्लाने की बजाय शांत आवाज में बात करें। एक-दूसरे का अपमान करने या ताने देने से बचें। 2. बच्चे को भरोसा देंः- अगर बच्चे ने झगड़ा देखा है तो बाद में उससे इस बारे में बात जरूर करें। उसे कहें– 'मम्मी-पापा की बहस हुई थी, लेकिन यह तुम्हारी गलती नहीं है। हम मिलकर इसे सुलझा रहे हैं और तुम सुरक्षित हो।' यह एक छोटा-सा वाक्य बच्चे के मन का बहुत बड़ा बोझ कम कर सकता है। यह तुम्हारी गलती नहीं है। हम मिलकर प्रॉब्लम सॉल्व कर रहे हैं। मम्मी-पापा तुमसे बहुत प्यार करते हैं। बड़े लोग कभी-कभी असहमत होते हैं। तुम सेफ हो। डरने की कोई बात नहीं। अगर तुम्हें डर लगे तो हमसे बात करना। 3. बच्चे की दिनचर्या सामान्य रखें-तनाव के समय नियमित दिनचर्या बच्चे को सुरक्षा का एहसास देती है। रूटीन जितना स्थिर रहेगा, बच्चा उतना सुरक्षित महसूस करेगा। इसलिए इन बातों का ध्यान रखें- समय पर स्कूल, पर्याप्त नींद, साथ बैठकर खाना, रोज कुछ समय खेलना, स्क्रीन टाइम सीमित रखना, . रोज 15-20 मिनट सिर्फ बच्चे के लिए रखें। इसे बच्चे का 'स्पेशल टाइम' मानें। इस दौरान- मोबाइल दूर रखें। बच्चा जो खेलना चाहे, वही खेलें। उसे बीच में टोकें नहीं। सलाह देने की बजाय उसकी बातें सुनें। ऐसा समय बच्चे के भीतर दोबारा भरोसा बनाने में मदद करता है। 5. अगर माफी मांगी है तो उसे दिखाएं भी- बच्चे आप दोनों के बीच सिर्फ झगड़ा नहीं, बल्कि प्यार, दोस्ती और ख्याल भी देखें। अगर आकोप दोनों के बीच बहस हुई थी और बाद में आपने एक-दूसरे से सम्मानपूर्वक बात की या सामान्य व्यवहार किया, तो बच्चा सीखता है कि बहस से रिश्ते टूटते नहीं हैं। उन्हें बेहतर भी किया जा सकता है। घर में शांति बनाने के 9 नियमः-बच्चे के सामने चिल्लाने से बचें। कपल अपने लिए कुछ रूल्स बनाएं। एक-दूसरे पर आरोप न लगाएं। गुस्से में आवाज ऊंची न करें। एक-दूसरे की शिकायत ध्यान से सुनें। रोज 10 मिनट परिवार के साथ बिताएं। अपनी सेहत का ख्याल रखें। तनाव होने पर 20 मिनट का ब्रेक लें। जरूरत हो तो फैमिली काउंसलर से मिलें। चाइल्ड काउंसिलर की मदद कब जरूरी? अगर बच्चे में नीचे दिए बदलाव 4-6 हफ्तों से बने हुए हैं या बढ़ रहे हैं तो चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट से मिलना बेहतर होगा- स्कूल जाने से लगातार इनकार। बार-बार घबराहट या डर। पढ़ाई में अचानक गिरावट। बहुत ज्यादा चुप या आक्रामक होना। नींद या भूख में बड़ा बदलाव। खुद को दोष देना। दोस्तों से पूरी तरह दूरी बना लेना। इसी तरह अगर पति-पत्नी के झगड़े लगातार बढ़ रहे हैं और दोनों उन्हें नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, तो मैरिज या फैमिली काउंसलिंग लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। अंतिम बातः-बच्चों को ऐसे माता-पिता नहीं चाहिए, जो कभी गलती न करें।

उन्हें ऐसे माता-पिता चाहिए, जो गलती होने पर उसे स्वीकार करें, सम्मानपूर्वक सुलझाएं और बच्चे को यह भरोसा दिलाएं कि परिवार उसके लिए सुरक्षित जगह है। जब घर का भावनात्मक माहौल बेहतर होता है, तो अधिकांश बच्चों में डर, चिंता और असुरक्षा भी धीरे-धीरे कम होने लगती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।